MINERALS METALS METALLURGY MATERIALS®

a Hyve event

CO-SPONSORED BY
Ministry of Steel
Ministry of Mines
Ministry of External Affairs
Council of Scientific & Industrial Research
GOVERNMENT OF INDIA

सत्यमेव जयते

12th International Exhibition & Conference

29 - 31 AUGUST 2018 **PRAGATI MAIDAN, NEW DELHI, INDIA**

CO-LOCATED SHOWS

CWE™ CUTTING AND WELDING EQUIPMENT EXPO

IMEX™ INTERNATIONAL MACHINE TOOLS EXPO

UMEX™ USED MACHINERY EXPO

TECHINDIA™ ENGINEERING AND MANUFACTURING EXPO

HAND TOOLS EXPO™

FASTENER EXPO™

MEDIA COVERAGE

MEDIA COVERAGE

THE TIMES OF INDIA

RISE OF METAL INDUSTRIES

UNLIMITED BUSINESS OPPORTUNITIES FOR METAL INDUSTRY IN INDIA

OPENS TODAY

Biggest Business Carnival

476 Exhibitors from 16 Countries

29 - 31 AUGUST 2018 PRAGATI MAIDAN, NEW DELHI

MINERALS METALS METALLURGY MATERIALS

CO-SPONSORED BY
Ministry of Steel
Ministry of Mines
Ministry of External Affairs
Council of Scientific & Industrial Research
GOVERNMENT OF INDIA

Conference Theme: "MINERALS AND METALS SECTOR: GROWTH PROSPECTS IN NEW BUSINESS ENVIRONMENT"

CWE CUTTING AND WELDING EQUIPMENT EXPO

IMEX INTERNATIONAL MACHINE TOOLS EXPO

Metal Working & Forming
Machinery & Machine Tools
Cutting & Welding
Material Equipment & Technologies
Laser Technology
Automation

17th Edition of India's Largest Expo on Hand Tools, Power Tools, Fasteners Industrial Tools, and more...

Exclusive Country Pavilions of CHINA & TAIWAN

HAND TOOLS EXPO

FASTENER EXPO

ENTRY FREE

UMEX USED MACHINERY EXPO

Get Best Pre- Owned Machinery from 18 Countries

Register at www.umexonline.com

एमएमएमएम का उद्‌घाटन 29 अगस्त को

जयपुर। खनिज धातु धातु विज्ञान और सामग्री अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन (एमएमएमएम) 2018का 12 वां संस्करण दुनिया के इस हिस्से में सबसे बड़ा का उद्‌घाटन 29 अगस्त 2018 को प्रगति मैदान में इस्पात मंत्री चौधरी बिरेंद्र सिंह इस्पात मंत्री मौजूदा चुनौतियों पर भी चर्चा करेंगे। आईटीईआई के निदेशक संजीव बत्रा - ने कहा कि अंततः 2 वर्षों के इंतजार के बाद यह आपको हमारे साथ साझा करने में हमें बहुत खुशी देता है कि आई टीई आई एमएमएमएम 2018 खनिज धातु धातु विज्ञान पर सबसे बड़ा और सबसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम का अनावरण प्रगति मैदान नईदिल्ली भारत में 29-31 अगस्त को करेगा। हमें आशा है कि सरकार दीर्घ कालिक स्थायित्व और सकारात्मक पारिस्थिति को तंत्र को प्रोत्साहित करने के लिए स्पष्ट नीति शुरू करेगी। चूंकि अमेरिकी सरकार भारत से इस्पात सलाखों पर एंटी डम्पिंग कर को बनाए रख रही है लेकिन हाल ही में जापान स्पेन और ब्राजील के लिए उन्हें समाप्त कर रही है एमएमएमएम 2018 व्यापक व्यापार मंच सभी हित धारकों के लिए संपादक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी निर्णय निर्माताओं और उद्योग के उद्यमियों के परामर्शदाताओं के साथ मिलकर बातचीत और नेटवर्क के लिए एक शानदार अवसर होगा। यह उम्मीद की जाती है कि एमएमएमएम 2018 12000- से अधिक व्यापार आगंतुक और 1000- विदेशी निवेशकों और दुनिया के प्रतिभागियों को गवाह करेगा। मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत सरकार द्वारा पहचाने जाने वाले लगभग दो दर्जन क्षेत्रों में कम से कम नौ उद्योगों में विनिर्माण की प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए इस्पात महत्वपूर्ण है।

एमएमएमएम का उद्घाटन 29 अगस्त को

नई दिल्ली (एजेंसी)। खनिज धातु धातु विज्ञान और सामग्री अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन 2018का 12 वां संस्करण दुनिया के इस हिस्से में सबसे बड़ा का उद्घाटन 29 अगस्त 2018 को प्रगति मैदान में इस्पात मंत्री चौधरी बिरेंद्र सिंह इस्पात मंत्री मौजूदा चुनौतियों पर भी चर्चा करेंगे। आईटीईआई के निदेशक संजीव बत्रा- ने कहा कि अंततः 2 वर्षों के इंतजार के बाद यह आपको हमारे साथ साझा करने में हमें बहुत खुशी देता है कि आई टीई आई एमएमएमएम 2018 खनिज धातु धातु विज्ञान पर सबसे बड़ा और सबसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम का अनावरण प्रगति मैदान नई दिल्ली भारत में 29-31 अगस्त को करेगा। चूंकि अमेरिकी सरकार भारत से इस्पात सलाखों पर एंटी डम्पिंग कर को बनाए रख रही है लेकिन हाल ही में जापान स्पेन और ब्राजील के लिए उन्हें समाप्त कर रही है एमएमएमएम 2018 व्यापक व्यापार मंच सभी हित धारकों के लिए संपादक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी निर्णय निर्माताओं और उद्योग के उद्यमियों के परामर्शदाताओं के साथ मिलकर बातचीत और नेटवर्क के लिए एक शानदार अवसर होगा। यह उम्मीद की जाती है कि एमएमएमएम 2018 12000. से अधिक व्यापार आगंतुक और 1000. विदेशी निवेशकों और दुनिया के प्रतिभागियों को गवाह करेगा। मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत सरकार द्वारा पहचाने जाने वाले लगभग दो दर्जन क्षेत्रों में कम से कम नौ उद्योगों में विनिर्माण की प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए इस्पात महत्वपूर्ण है। रीसाइक्लिंग और लिथियम आयन बैटरी पर एक विशेष सत्र होगा। 15 विभिन्न देशों के 400 से अधिक प्रदर्शक एमएमएमएममें 2018 में भाग ले रहे हैं। खनिज समृद्ध राज्यों झारखंड पश्चिम बंगाल उड़ीसा कर्नाटक और गुजरात से राज्य स्तरीय भागीदारी के अलावा देश-स्तर के चीन ऑस्ट्रिया फ्रांस फिनलैंड जर्मनी इटली रूस स्पेन ब्रिटेन और यूएसए से की भागीदारी होगी। 7 देशों के व्यापार प्रतिनिधि मंडल निवेश के अवसरों के लिए एमएमएमएम 2018 पर भी जाएंगे। एमएमएमएम 2018 स्टील मंत्रालय खान मंत्रालय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय विदेश मंत्रालय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय और वैज्ञानिक औद्योगिक अनुसंधान परिषद सी एस आई आर के अलावा सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय समर्थित और सह प्रायोजित है।

खनिज धातु पर प्रदर्शनी में जुटेंगी 400 कंपनियां

नई दिल्ली (एसएनबी)।

खनिज धातु, धातु विज्ञान और सामग्री अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन (एमएमएमएम) के 12वें संस्करण का उद्घाटन बुधवार को किया जाएगा। इस वैश्विक प्रदर्शनी में 15 देशों के 400 से अधिक प्रदर्शक भाग ले रहे हैं।

इंटरनेशनल ट्रेड एंड एक्जिबिशन (आईटीईआई) के निदेशक संजीव बत्रा ने बताया कि प्रगति मैदान में आयोजित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन केंद्रीय इस्पात मंत्री चौधरी विरेंद्र सिंह करेंगे। प्रदर्शनी में वैश्विक इस्पात नेता और भारत इस्पात उद्योग के दिग्गज मौजूदा चुनौतियों पर चर्चा करेंगे।

उन्होंने बताया कि खनिज समृद्ध राज्यों झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, कर्नाटक और गुजरात से राज्यस्तरीय भागीदारी के अलावा देशस्तर के चीन, ऑस्ट्रिया, फ्रांस, फिनलैंड, जर्मनी, इटली, रूस, स्पेन, ब्रिटेन और अमेरिका से भी भागीदारी होगी। सात देशों के व्यापार प्रतिनिधिमंडल निवेश के अवसरों के लिए प्रदर्शनी में आएंगे।

12th MMMM 2018: The 12th edition of Minerals, Metals, Metallurgy & Materials International Exhibition and Conference (MMMM 2018), one of the largest in this part of the world, will be inaugurated by Chaudhary Birender Singh, minister of steel, at Pragati Maidan, New Delhi, on August 29, 2018. The minister of steel will also discuss the current challenges with global leaders and captains of the steel industry in India.

MEDIA COVERAGE

INDIAN STEEL AND METAL INDUSTRY TO SEE A BRIGHT FUTURE

Response.Mumbai
@timesgroup.com

India is expected to become the second largest steel producer in the world based on its increased capacity and upcoming demand owing to the rising infrastructure construction and the thriving automobile and railways sectors. It is said that the new steel policy that was approved by the Union Cabinet last year is expected to boost India's steel production. India is expected to overtake Japan to become the world's second largest steel producer, and has envisaged achieving 300 MT of annual steel production capacity by 2030.

In order to aid this growth further, the MMMM 2018 and co-located shows are expected to facilitate exchange of new ideas, sharing of information on the latest development in technologies, systems and equipment in the areas of metals, metal working and forming, materials and metallurgy, thus enabling companies in modernization and upgradation of plants and achieve higher efficiency levels.

The 12th MMMM 2018 exhibition and conference was inaugurated in the presence of the Union Minister of Steel, government officials, trade bodies and the eminent leaders from steel, metal, manufacturing industry.

"With the passage of two important policies – National Steel Policy 2017 and Policy on Preference to Domestically Manufactured Iron & Steel Products – by the Government of India, important concerns like enhancing raw material security, fostering R&D activities, reducing import dependency and promoting fair international trade have come to the fore. And hence, at this juncture, platforms like MMMM provide a timely opportunity for the stakeholders to further promote their products, technologies and services, and highlight the best way forward to achieve the future growth avenues for the industry," said Dr Bhaskar Chatterjee, secretary general and executive head of Indian Steel Association.

The platform is all set to showcase latest technologies and development in the industry. The event covers vast segments such as Automation and Instrumentations, Environment, Geology and Mining related services, Handling and Processing, Gears and Motors, Heat Treatment and Furnaces, Lubricants, Metallurgy Equipment Suppliers, Mineral Development Corporations, Steel Producers, Transportation and Logistics, and more.

एमएमएमएम का 12 वां संस्करण 29 अगस्त से

नई दिल्ली। खनिज धातु धातु विज्ञान और सामग्री अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन 2018का 12 वां संस्करण दुनिया के इस हिस्से में सबसे बड़ा का उद्घाटन 29 अगस्त 2018 को प्रगति मैदान में इस्पात मंत्री चौधरी बिरेंद्र सिंह इस्पात मंत्री मौजूदा चुनौतियों पर भी चर्चा करेंगे। आईटीईआई के निदेशक संजीव बत्रा - ने कहा कि अंततः 2 वर्षों के इंतजार के बाद यह आपको हमारे साथ साझा करने में हमें बहुत खुशी देता है कि आई टीई आई एमएमएमएम 2018 खनिज धातु धातु विज्ञान पर सबसे बड़ा और सबसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम का अनावरण प्रगति मैदान नईदिल्ली भारत में 29-31 अगस्त को करेगा।

एमएमएमएम का उद्घाटन अगस्त को

जयपुर। खनिज धातु धातु विज्ञान और सामग्री अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन (एमएमएमएम) 2018का 12 वां संस्करण दुनिया के इस हिस्से में सबसे बड़ा का उद्घाटन 29 अगस्त 2018 को प्रगति मैदान में इस्पात मंत्री चौधरी बिरेंद्र सिंह इस्पात-मंत्री मौजूदा चुनौतियों पर भी चर्चा करेंगे। आईटीईआई के निदेशक संजीव बत्रा - ने कहा कि अंततः 2 वर्षों के इंतजार के बाद यह आपको हमारे साथ साझा करने में हमें बहुत खुशी देता है कि आई टीई आई एमएमएमएम 2018 खनिज धातु धातु विज्ञान पर सबसे बड़ा और सबसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम का अनावरण प्रगति मैदान नईदिल्ली भारत में 29-31 अगस्त को करेगा। हमें आशा है कि सरकार दीर्घ कालिक स्थायित्व और सकारात्मक पारिस्थिति की तंत्र को प्रोत्साहित करने के लिए स्पष्ट नीति शुरू करेगी।

MMMM-2018 29 से होगा शुरू, स्टील सेक्टर की चुनौतियों पर होगी चर्चा

मिनरल, मैटल, मैटल विज्ञान और मैटेरियल्स पर इंटरनेशनल एग्जीबिशन और कन्वेंशन की शुरुआत बुधवार को प्रगति मैदान में होगी

नई दिल्ली. मिनरल, मैटल, मैटल विज्ञान और मैटेरियल्स (MMMM) पर इंटरनेशनल एग्जीबिशन और कन्वेंशन की शुरुआत बुधवार से प्रगति मैदान में होगी। स्टील मिनिस्टर चौधरी बिरेंद्र सिंह इस एग्जीबिशन की शुरुआत करेंगे। इस मौके पर सेक्टर से जुड़ी मौजूदा चुनौतियों पर चर्चा भी की जाएगी।

12 हजार डॉलर से अधिक व्यापार की संभावना

आईटीईआई के निदेशक संजीव बत्रा ने कहा कि दो साल बाद यह आयोजन किया गया है, जिसमें कई अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श होगा। खासकर सरकार की दीर्घकालिक नीतियों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इसमें सभी स्टेक होल्डर्स शामिल होंगे, जो अपनी अपनी बात रखेंगे। बत्रा ने कहा कि उम्मीद है कि इस एग्जीबि शन में 12 हजार डॉलर से अधिक का व्यापार होगा, जबकि 1000 से अधिक विदेशी निवेशक इस एग्जीबिशन में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत जिन 18 मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की पहचान की गई है, उनमें से लगभग 9 सेक्टर में स्टील की भूमिका है, इसलिए सरकार को स्टील सेक्टर पर विशेष फोकस करना चाहिए।

15 देशों के प्रतिनिधि होंगे शामिल

15 विभिन्न देशों के 400 से अधिक कंपनियां MMMM-2018 में भाग ले रहे हैं। खनिज समृद्ध राज्यों झारखंड पश्चिम बंगाल उड़ीसा कर्नाटक और गुजरात से राज्य स्तरीय भागीदारी के अलावा देश-स्तर के चीन, ऑस्ट्रिया, फ्रांस, फिनलैंड, जर्मनी, इटली, रूस, स्पेन, ब्रिटेन और यूएसए से की भागीदारी होगी। 7 देशों के व्यापार प्रतिनिधि मंडल निवेश के अवसरों के लिए MMMM-2018 पर भी आएंगे।

MEDIA COVERAGE

भारत में इस्पात और मेटल इंडस्ट्री का भविष्य सुनहरा है और आने वाले कल में देश के दूसरे सबसे बड़े इस्पात उत्पादक बनने की उम्मीद है

इस्पात और मेटल उद्योग का उज्ज्वल भविष्य

आज के मुख्य अंश-विशेष नेटवर्किंग प्रॉग्राम

डॉ. भास्कर चटर्जी, इंडियन स्टील एसोसिएशन के महासचिव और कार्यकारी प्रमुख

UMEX
USED MACHINERY EXPO
Get Best
Pre- Owned Machinery
from 18 Countries

Business Standard

RISE OF METAL INDUSTRIES

COMMERCIAL FEATURE

Bright Future of Indian Steel and Metal Industry

India is expected to overtake Japan to become the world's second largest steel producer soon, and has envisaged achieving 300 MT of annual steel production capacity by 2030

एमएमएमएम का उद्घाटन 29 को

जयपुर। खनिज धातु धातु विज्ञान और सामग्री अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन (एमएमएमएम) 2018का 12 वां संस्करण दुनिया के इस हिस्से में सबसे बड़ा का उद्घाटन 29 अगस्त 2018 को प्रगति मैदान में इस्पात मंत्री चौधरी बिरेंद्र सिंह इस्पात मंत्री मौजूदा चुनौतियों पर भी चर्चा करेंगे। आईटीईआई के निदेशक संजीव बत्रा - ने कहा कि अंततः 2 वर्षों के इंतजार के बाद यह आपको हमारे साथ साझा करने में हमें बहुत खुशी देता है कि आई टीई आई एमएमएमएम 2018 खनिज धातु धातु विज्ञान पर सबसे बड़ा और सबसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम का अनावरण प्रगति मैदान नईदिल्ली भारत में 29-31 अगस्त को करेगा। हमें आशा है कि सरकार दीर्घ कालिक स्थायित्व और सकारात्मक परिस्थिति को तंत्र को प्रोत्साहित करने के लिए स्पष्ट नीति शुरू करेगी। चूंकि अमेरिकी सरकार भारत से इस्पात सलाखों पर एंटी डम्पिंग कर को बनाए रख रही है लेकिन हाल ही में जापान स्पेन और ब्राजील के लिए उन्हें समाप्त कर रही है एमएमएमएम 2018 व्यापक व्यापार मंच सभी हित धारकों के लिए संपादक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी निर्णय निर्माताओं और उद्योग के कंपनियों के परामर्शदाताओं के साथ मिलकर बातचीत और नेटवर्क के लिए एक शानदार अवसर होगा।

खनिज व धातु एक्सपो शुरू

■ नई दिल्ली (एसएनबी)।

केंद्रीय इस्पात मंत्री चौ. वीरेन्द्र सिंह ने बुधवार को यहां खनिज धातु, धातु विज्ञान और सामग्री अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन (एमएमएमएम) के 12वें संस्करण का उद्घाटन किया। इसमें 16 देशों की 500 कंपनियां भाग ले रही हैं।

■ इसमें देश-विदेश की 500 कंपनियां शामिल
■ इस्पात मंत्री बीरेन्द्र सिंह ने किया उद्घाटन

इस प्रदर्शनी में खनन एवं धातु उद्योग से जुड़े नए उत्पाद, प्रौद्योगिकी, मशीनरी आदि का एक साथ प्रदर्शन किया जा रहा है। मेले का आयोजक संस्था इंटरनेशनल ट्रेड एंड एक्जिबिशन के निदेशक संजीव बत्रा ने बताया कि यह प्रदर्शनी धातु एवं खनन उद्योग की ग्रोथ को रफ्तार देने में मददगार साबित होगी। फिलहाल इस उद्योग का देश की जीडीपी में 4.5 फीसद का योगदान है। आने वाले दिनों में इसमें भारी संभावनाएं दिख रही हैं। इससे पूर्व प्रदर्शनी में सीईओ कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया जिसमें वैश्विक इस्पात उद्योग के दिग्गज मौजूदा चुनौतियों पर चर्चा की गई।

धातु विज्ञान की प्रदर्शनी में देसी के साथ पहुंचेंगी 15 देशों की 400 कंपनियां, 7 देशों का प्रतिनिधिमंडल

दैनिक सवेरा 7/16

सूचना दिलीप जावलकर ने किया सूचना निदेशालय का निरीक्षण

युवा कांग्रेस का 30 को पीएम आवास कूच

इस्पात मंत्री चौधरी बिरेंद्र सिंह एम.एम.एम.एम. 2018 का उद्घाटन करेंगे

MEDIA COVERAGE

এমএমএমএম ২০১৮-এর উদ্বোধনে ইস্পাত মন্ত্রী চৌধুরি বীরেন্দ্র সিং

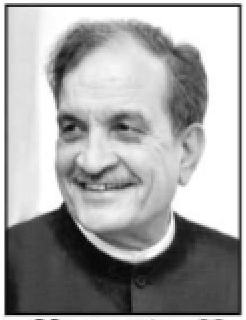

নয়াদিল্লি, ২৯ আগস্ট : দিল্লির প্রগতি ময়দানে ১২তম মিনারেল, মেটাল, মেটারলজি এবং মেটেরিয়ালস্ ইন্টারন্যাশনাল এক্জিবিশন অ্যান্ড কনফারেন্সের উদ্বোধন করলেন কেন্দ্রীয় ইস্পাত মন্ত্রী চৌধুরি বীরেন্দ্র সিং। ভারত এবং বিশ্বের ইস্পাত শিল্পের সঙ্গে যুক্ত উদ্যোগপতিরা এই কনফারেন্সে উপস্থিত ছিলেন। মূলত ভারতের ইস্পাত শিল্পের সঙ্গে বিশ্বের ইস্পাত শিল্পের কোথায় কোথায় চ্যালেঞ্জ রয়েছে, সেগুলি নিয়ে আলোচনা হয় এই কনফারেন্সে। এ বিষয়ে আইটিইআই-এর কর্তা সঞ্জীব বাত্রা জানান, আগামী ৩১ আগস্ট পর্যন্ত এই কনফারেন্স চলবে। এই কনফারেন্স এবং প্রদর্শনীর মূল বিষয় হল দেশের ইস্পাত শিল্পের সুসংহত বিকাশ ও উন্নয়ন। পাশাপাশি বাস্তুতন্ত্রের সঙ্গে ইস্পাত শিল্পের সামঞ্জস্যপূর্ণ সহাবস্থান ঘটানোই কেন্দ্রীয় সরকারের যে বার্তা রয়েছে, সেগুলি তুলে ধরা। আমেরিকা ভারতের ইস্পাতের উপর কর ধার্য করেছে। যদিও জাপান, স্পেন, ব্রাজিলকে তা দিতে হয় না।

এমএমএমএমের প্রদর্শনীর উদ্বোধনে কেন্দ্রীয় ইস্পাতমন্ত্রী

নিজস্ব প্রতিবেদন: ২৯ আগস্ট দিল্লির প্রগতি ময়দানে '১২তম মিনারেলস, মেটালস, মেটালারজি অ্যান্ড মেটেরিয়ালস ২০১৮'-এর আন্তর্জাতিক প্রদর্শনী ও আলোচনা সভা শুরু হতে চলেছে। এই অনুষ্ঠানের উদ্বোধন করবেন কেন্দ্রীয় ইস্পাতমন্ত্রী চৌধুরি বীরেন্দ্র সিং। ভারত ও বিশ্বের ইস্পাতশিল্পের সঙ্গে যুক্ত উদ্যোগপতিদের সঙ্গে ইস্পাত শিল্প ও তার সমস্যা নিয়ে আলোচনা করবেন তিনি।

এই প্রসঙ্গে আইটিইআইয়ের ডিরেক্টর সঞ্জীব বাত্রা বলেন, 'এমএমএমএম ২০১৮-এর আয়োজন করছে আইটিইআই। দিল্লির প্রগতি ময়দানে ২৯-৩১ আগস্ট পর্যন্ত চলবে বিভিন্ন খনিজ পদার্থ, ধাতুর মতো জিনিসের প্রদর্শনী। অনুমান করা হচ্ছে বাণিজ্যিক সম্মেলনে বিশ্বের বিভিন্ন প্রান্ত থেকে ১২ হাজারের বেশি ব্যবসায়ী ও এক হাজারের বেশি বিনিয়োগকারী অংশগ্রহণ করবেন।' টাটা ইস্পাত লিমিটেডের সিইও ও ম্যানেজিং ডিরেক্টর টিভি নরেন্দ্রন জানান, কয়েক বছরে দেশের আর্থিক উন্নতিতে খনিজ ও ধাতু নির্ভর শিল্পগুলো অগ্রণী ভূমিকা পালন করছে। দেশের আভ্যন্তরীণ গড় উৎপাদনের ৪.৫ শতাংশ জুড়ে রয়েছে ইস্পাত। জাতীয় ইস্পাত নীতিতে ২০৩০ সালের মধ্যে প্রতি বছর ৩০০ মিলিয়ন টন উৎপাদন করার কথা বলা হয়েছে। ফলে ইস্পাত উৎপাদনের পরিমাণ আরও বাড়বে।' ইন্ডিয়ান ইস্পাত অ্যাসোসিয়েশনের মহাসচিব ও এক্সিকিউটিভ প্রধান ডঃ ভাস্কর চট্টোপাধ্যায় বলেন, এমএমএমএম ২০১৮-এর আলোচনা সভায় কাঁচামালের নিরাপত্তা, যত্নে রাখা, গবেষণা, আমদানির ওপর নির্ভর না-করা ও স্বচ্ছ আন্তর্জাতিক বাণিজ্যের মতো বিষয়গুলো নিয়ে আলোচনা হবে।

इस्पात मंत्री करेंगे खनिज, धातु विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन

नई दिल्ली। इस्पात मंत्री चौधरी बीरेन्द्र सिंह खनिज, धातु, धातु विज्ञान और सामग्री (एमएमएमएम) पर राजधानी में आयोजित तीन दिवसीय अंतराष्ट्रीय प्रदर्शनी का 29 अगस्त को उद्घाटन करेंगे। इंटरनेशनल ट्रेड एक्जबिशन इंडिया (आईटीईआई) और मिनिरल्स, मेटल्स, मेटलर्जी मैटीरियल्स एक्सपो.काम (एमएमएमएमत) द्वारा आयोजित इस औद्योगिक प्रदर्शनी एवं सम्मेलन के 12वें संस्करण में देश विदेश की कंपनियां और नीति निर्माता शामिल होंगे। राष्ट्रीय राजधानी के प्रगति मैदान में 29-31 अगस्त को आयोजित इस प्रदर्शनी में चीन, आस्ट्रिया, फ्रांस, फिनलैंड, जर्मनी, इटली, रूस, स्पेन, ब्रिटेन और अमेरिका समेत 15 देशों के 400 से अधिक कंपनियां शामिल होंगी।

इस्पात मंत्री करेंगे विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन

नई दिल्ली। इस्पात मंत्री चौधरी बीरेन्द्र सिंह खनिज, धातु, धातु विज्ञान और सामग्री पर राजधानी में आयोजित तीन दिवसीय अंतराष्ट्रीय प्रदर्शनी का 29 अगस्त को उद्घाटन करेंगे। इंटरनेशनल ट्रेड एक्जबिशन इंडिया (आईटीईआई) और मिनिरल्स, मेटल्स, मेटलर्जी मैटीरियल्स एक्सपो.काम (एमएमएमएमत) द्वारा आयोजित इस औद्योगिक प्रदर्शनी एवं सम्मेलन के 12वें संस्करण में देश विदेश की कंपनियां और नीति निर्माता शामिल होंगी।

इस प्रदर्शनी का आयोजन इस्पात मंत्रालय के साथ, खान, पृथ्वी विज्ञान, विदेश मंत्रालय, वाणिज्य एवं उद्योग, भारी उद्योग एवं लोक उपक्रम तथा सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम मंत्रालय के अलावा वैज्ञानिक एवं अनुसंधान परिषद के सहयोग से किया जा रहा है। आयोजन की विज्ञप्ति के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी के प्रगति मैदान में 29-31 अगस्त को आयोजित इस प्रदर्शनी में चीन, आस्ट्रिया, फ्रांस, फिनलैंड, जर्मनी, इटली, रूस, स्पेन, ब्रिटेन और अमेरिका समेत 15 देशों के 400 से अधिक कंपनियां शामिल होंगी। इसके अलावा खनिज संसाधन से समृद्ध झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, कर्नाटक तथा गुजरात जैसे राज्यों की भी इसमें भागीदारी होगी। प्रदर्शनी में सात देशों के व्यापार प्रतिनिधिमंडल निवेश अवसर तलाशने के लिये प्रदर्शनी में शामिल होंगे।

खनिज पर 12वीं अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का समापन

नई दिल्ली : खनिज, धातु, धातु विज्ञान और सामग्री की 12वीं अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी (एमएमएमएम 2018) और सम्मेलन का समापन हो गया, जिसका 12,000 लोगों ने दौरा किया। इसमें 15 देशों की 525 से अधिक कंपनियों और एजेंसियों ने हिस्सा लिया। खनिज के मामले में समृद्ध राज्यों जैसे झारखंड, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा और गुजरात के अतिरिक्त चीन, ऑस्ट्रिया, फ्रांस, फिनलैंड, जर्मनी, इटली, रूस, स्पेन, ब्रिटेन और अमेरिका के प्रतिनिधियों ने भी इसमें शिरकत की। आइटीईआइ के निदेशक संजीव बत्रा का कहना है कि एमएमएमएम 2018 में व्यापार खरीदारों ने इस्पात, धातु, कोयले, खनिज, फोर्जिंग के बारे में बातचीत की। (ब्यूरो)

धातु सामग्री की रीसाइक्लिंग के लिए विशेष जोन बनाने का सुझाव

धातु सामग्री की रीसाइक्लिंग के लिए विषेष जोन बनाने का सुझाव

अमेरिका और चीन में रीसाइक्लिंग उद्योग की बाढ़

MEDIA COVERAGE

धातु सामग्री की रीसाइक्लिंग के लिए विशेष जोन बने

एजेंसी ■ नई दिल्ली

एक टन स्टील स्क्रैप की रीसाइक्लिंग 1.2 टन लौह अयस्क, 0.7 टन कोयला, 0.5 टन चूना पत्थर और 287 लीटर ईंधन तेल बचाती है।

खनिज और धातु क्षेत्र के जानकारों ने देश में पुरानी धातुओं की रीसाइक्लिंग (पुरानी धातु को गला कर नई सामग्री बनाने) को बढ़ावा देने के लिए विशेष रीसाइक्लिंग जोन की स्थापना का सुझाव दिया है। उन्होंने इसे भविष्य में कच्चे माल, लागत और पर्यावरण की बढ़ती चुनौती की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया है। राजधानी के प्रगति मैदान में धातु, खनिज, सामग्री और धातु विज्ञान पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी एमएमएमएम-2018 में शामिल इन उद्योगों के कई जानकार लोगों ने कहा कि कच्चे माल की कीमतों में तेजी को देखते धातु रीसाइक्लिंग उद्योग एक कारगर विकल्प हो सकता है। प्रदर्शनी की आयोजक इंटरनेशनल ट्रेड एंड एक्जिबिशन्स इंडिया (आईटीईआई) के वित्त निदेशक संजीव बत्रा ने भाषा से कहा, कच्चे माल की कीमतें नई ऊंचाइयां छू रही हैं, ऐसे में भारत में रीसाइक्लिंग धातु उद्योग की सफलता के लिए एक नई कुंजी साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि भारत में अमेरिका और चीन की तरह रीसाइक्लिंग इकाइयों के लिए विशेष रूप से सामग्री रीसाइक्लिंग जोन स्थापित किए जाने चाहिए। बत्रा ने कहा कि एमएमएमएम-18 के दौरान चर्चा के विषयों में रीसाइक्लिंग उद्योग को भी प्रमुख विषयों में शामिल किया गया है। बत्रा ने एक अध्ययन का हवाला देते हुए कहा कि, एक टन स्टील स्क्रैप की रीसाइक्लिंग 1.2 टन लौह अयस्क, 0.7 टन कोयला, 0.5 टन चूना पत्थर और 287 लीटर ईंधन तेल बचाती है। इसके साथ ही इससे 2.3 घन मीटर लैंडफिल की जरूरत कम होती है। पानी की खपत में 40 प्रतिशत और कार्बनडाई आक्साइड उत्सर्जन में भी 58 प्रतिशत कमी होती है। निजी क्षेत्र की इस्पात विनिर्माता जेएसडब्ल्यू स्टील लि. के उप प्रबंध निदेशक डा विनोद नोवाल ने कहा, भारत में अभी स्टील स्क्रैप की स्थिति नहीं आई है। अभी इस्तेमाल हो रहे इस्पात को स्क्रैप करने (भंगार में डालने) में 20-25 साल का समय लगेगा। देश में स्क्रैप की उपलब्धता की कमी के कारण पुराना लोहा गला कर इस्पात बनाने वाली सेकेंडी इस्पात इकाइयां भारी मात्रा में गलाने वाला लोहा स्क्रैप आयात करती है। उद्योग जगत की रपटों के अनुसार भारत में गलाने के लिए सालाना करीब सवा दो करोड़ टन लोहे के स्क्रैप का आयात किया जाता है। भारत में रीसाइक्लिंग संगठनात्मक अक्षमताओं, प्रोत्साहन की विसंगतियों, जर्जर आधारभूत संरचना और कर्ज सुविधा की कमी के कारण संभावनाओं के अनुरूप बढ़ नहीं पा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में रीसाइक्लिंग उद्योग को प्रोत्साहित किया जाए तो यह 2030 तक सकल घरेलू उत्पाद में 11 प्रतिशत का योगदान कर सकता है और इस दौरान 14 लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त बचत भी हो सकती है। श्रम गहन होने के कारण इस क्षेत्र में रोजगार के अवसरों की भी बड़ी संभावना है।

एमएमएमएम का उद्घाटन 29 अगस्त 2018 को

दिल्ली 28 अगस्त 2018 खनिज धातु धातु विज्ञान और सामग्री अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन (एमएमएमएम) 2018का 12 वां संस्करण दुनिया के इस हिस्से में सबसे बड़ा का उद्घाटन 29 अगस्त 2018 को प्रगति मैदान में इस्पात मंत्री चौधरी बिरेंद्र सिंह इस्पात मंत्री मौजूदा चुनौतियों पर भी चर्चा करेंगे। आईटीईआई के निदेशक संजीव बत्रा – ने कहा कि अंतत 2 वर्षों के इंतजार के बाद यह आपको हमारे साथ साझा करने में हमें बहुत खुशी देता है कि आई टीई आई एमएमएमएम 2018 खनिज धातु धातु विज्ञान पर सबसे बड़ा और सबसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम का अनावरण प्रगति मैदान नईदिल्ली भारत में 29–31 अगस्त को करेगा। हमें आशा है कि सरकार दीर्घ कालिक स्थायित्व और सकारात्मक पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहित करने के लिए स्पष्ट नीति शुरू करेगी। चूंकि अमेरिकी सरकार भारत से इस्पात सलाखों पर एंटी डम्पिंग कर को बनाए रख रही है लेकिन हाल ही में जापान स्पेन और ब्राजील के लिए उन्हें समाप्त कर रही है एमएमएमएम 2018 व्यापक व्यापार मंच सभी हित धारकों के लिए संपादक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी निर्णय निर्माताओं और उद्योग के उद्यमियों के परामर्शदाताओं के साथ मिलकर बातचीत और नेटवर्क के लिए एक शानदार अवसर होगा। यह उम्मीद की जाती है कि एमएमएमएम 2018 12000+ से अधिक व्यापार आगंतुक और 1000+ विदेशी निवेशकों और दुनिया के प्रतिभागियों को गवाह करेगा। मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत सरकार द्वारा पहचाने जाने वाले लगभग दो दर्जन क्षेत्रों में कम से कम नौ उद्योगों में विनिर्माण की प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए इस्पात महत्वपूर्ण है। रीसाइक्लिंग और लिथियम आयन बैटरी पर एक विशेष सत्र होगा

15 विभिन्न देशों के 400 से अधिक प्रदर्शक एमएमएमएम 2018 में भाग ले रहे हैं। खनिज समृद्ध राज्यों झारखंड पश्चिम बंगाल उड़ीसा कर्नाटक और गुजरात से राज्य स्तरीय भागीदारी के अलावा देश–स्तर के चीन ऑस्ट्रिया फ्रांस फिनलैंड जर्मनी इटली रूस स्पेन ब्रिटेन और यूएसए से भी भागीदारी होगी। 7 देशों के व्यापार प्रतिनिधि मंडल निवेश के अवसरों के लिए एमएमएमएम 2018 पर भी जाएंगे। एमएमएमएम 2018 स्टील मंत्रालय खान मंत्रालय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय विदेश मंत्रालय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय और वैज्ञानिक औद्योगिक अनुसंधान परिषद सी एस आई आर के अलावा सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय समर्थित और सहप्रायोजित है।

रीसाइक्लिंग के लिए विषेष जोन का सुझाव

■ नई दिल्ली (भाषा)।

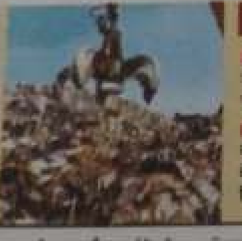

धातु उद्योग

- अमेरिका और चीन में रीसाइक्लिंग के लिए स्थापित हैं विशेष जोन
- महंगाई व पर्यावरण की चुनौतियों से निपटने के लिए महत्वपूर्ण है रिसाइक्लिंग की प्रक्रिया

खनिज और धातु क्षेत्र के जानकारों ने देश में पुरानी धातुओं की रीसाइक्लिंग (पुरानी धातु को गला कर नई सामग्री बनाने) को बढ़ावा देने के लिए विशेष रीसाइक्लिंग जोन की स्थापना का सुझाव दिया है। उन्होंने इसे भविष्य में कच्चे माल, लागत और पर्यावरण की बढ़ती चुनौती की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया है।

राजधानी के प्रगति मैदान में धातु, खनिज, सामग्री और धातु विज्ञान पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी एमएमएमएम-2018 में शामिल इन उद्योगों के कई जानकार लोगों ने कहा कि कच्चे माल में तेजी को देखते धातु रीसाइक्लिंग उद्योग एक कारगर विकल्प हो सकता है। प्रदर्शनी की आयोजक (आईटीईआई) के निदेशक संजीव बत्रा ने कहा, 'कच्चे माल की कीमतें नई ऊंचाइयां छू रही हैं। ऐसे में भारत में रीसाइक्लिंग धातु उद्योग की सफलता के लिए एक नई कुंजी साबित हो सकता है।' उन्होंने कहा कि भारत में अमेरिका और चीन की तरह रीसाइक्लिंग इकाइयों के लिए 'विशेष रूप से सामग्री रीसाइक्लिंग जोन स्थापित किए जाने चाहिए।'

बत्रा ने कहा कि एमएमएमएम-18 के दौरान चर्चा के विषयों में रीसाइक्लिंग उद्योग को भी प्रमुख विषयों में शामिल किया गया है। बत्रा ने एक अध्ययन का हवाला देते हुए कहा कि, एक टन स्टील स्क्रैप की रीसाइक्लिंग 1.2 टन लौह अयस्क, 0.7 टन कोयला, 0.5 टन चूना पत्थर और 287 लीटर ईंधन तेल बचाती है। इसके साथ ही इससे 2.3 घन मीटर लैंडफिल की जरूरत कम होती है।

निजी क्षेत्र की इस्पात विनिर्माता जेएसडब्ल्यू स्टील लि. के उप प्रबंध निदेशक विनोद नोवाल ने कहा, "भारत में अभी स्टील स्क्रैप की स्थिति नहीं आई है। अभी इस्तेमाल हो रहे इस्पात को स्क्रैप करने में 20-25 साल का समय लगेगा।" देश में स्क्रैप की उपलब्धता की कमी के कारण पुराना लोहा गला कर इस्पात बनाने वाली सेकेंड्री इस्पात इकाइयां भारी मात्रा में गलाने वाला लोहा स्क्रैप आयात करती है।

Chaudhary Birender Singh, Minister of Steel, to inaugurate MMMM 2018

Tagged with: 12th edition of minerals | ceo & managing director | chaudhary birender singh | director-itei | economy regulators | jharkhand | metallurgy & materials international exhibition | metals | ministry of coals and mines | mmmm 2018 | odisha | sanjeev batra | shri t.v narendran | tata steel limited

Tweet | Like | Sign Up to see what your friends like.

New Delhi
27th Aug, 2018

The 12th edition of Minerals, Metals, Metallurgy & Materials International Exhibition and Conference (MMMM 2018), one of the largest in this part of the world shall be inaugurated by Chaudhary Birender Singh, Minister of Steel, at Pragati Maidan on August 29, 2018. Minister of Steel will also discuss the current challenges with Global leaders and captains of India Steel Industry.

More than 400 exhibitors from 15 different countries are participating in MMMM 2018. It shall have country-level participation from China, Austria, France, Finland, Germany, Italy, Russia, Spain, UK & USA besides state-level participation from mineral rich states of Jharkhand, West Bengal, Orissa, Karnataka & Gujarat. Trade delegations from 7 countries will visit MMMM 2018 for investment opportunities as well.

MMMM 2018 is supported and co-sponsored by Ministry of Steel, Ministry of Mines, Ministry of Earth Sciences; Ministry of External Affairs; Ministry of Commerce & Industry; Ministry of Heavy Industries and Public Enterprises and Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises besides Council of Scientific & Industrial Research (CSIR).

On this note, Mr. Sanjeev Batra, Director- ITEI said finally after a wait of 2 long years it gives us immense pleasure to share with you that ITEI will unveil MMMM 2018, the largest and the most prestigious event on Minerals, Metals, Metallurgy & Materials on August 29-31, 2018 at Pragati Maidan , New Delhi, India. We hope that government would initiate clear policy to encourage long term sustainability and positive ecosystem. As the US government is maintaining antidumping duties on steel bars from India but is ending them for Japan, Spain, and Brazil recently, MMMM 2018 comprehensive business platform will be a great opportunity for all stakeholders to meet, interact and network with the entrepreneurs, consultants, editors, senior government officials, decision makers and industry leaders. It is expected that MMMM 2018 will witness more than 12,000+ Trade visitor and 1000+ foreign investors and participants from the globe. Steel is crucial to competitiveness of manufacturing in at least nine industries out of nearly two dozen sectors identified by the Government as focus areas under "Make in India" program. There will be a special session on Recycling and Lithium-ion batteries

Shri T.V Narendran, CEO & Managing Director, Tata Steel Limited said that Over the years, the minerals and metals sector has been a driving force propelling the growth of the Indian economy, with the sector currently contributing to around 4.5 per cent of the national's GDP. This is expected to go up in the years ahead in view of the National Steel policy target of 300 million tonnes per annum by 2030. Shri Narendran said the steel sector has been witnessing a positive growth and this trend will continue with improving economic activities across the world.

Dr. Bhaskar Chatterjee, Secretary General & Executive Head of Indian Steel Association said that with the passage of two important policies by the Ministry of Steel, Government of India, that is "National Steel Policy 2017" and "Policy on Preference to Domestically Manufactured Iron & Steel Products", important concerns like enhancing raw material security, fostering R&D activities, reducing import dependency and promoting fair international trade have come to the fore. At this juncture, platforms like MMMM 2018 provide a timely opportunity for the stakeholders to further promote their products, technologies and services, and highlight the best way forward to achieve the future growth avenues for the industry.

Notable speakers at MMMM 2018 shall be CMD/CEO of SAIL, JSW Steel, Tata steel, NMDC, NALCO, Midhani, NINL, NIPPON, Indian Oil, Paul Wurth, Sino Steel, Indian Steel Alliance, Mecon, Bureau of Indian standard and Hindustan Copper Limited.

MEDIA COVERAGE

नवभारत टाइम्स
बिज़नस न्यूज़

How to have a healthy and energetic married life after 45.
Ad: ZEOVEDA Herbals

इस्पात मंत्री करेंगे खनिज, धातु, धातु विज्ञान पर आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन

यह आर्टिकल एजेंसी फीड से ऑटो-अपलोड हुआ है। इसे नवभारतटाइम्स.कॉम की टीम ने एडिट नहीं किया है।

भाषा | Updated:Aug 27, 2018, 03:45PM IST

SUBSCRIBE NEWSLETTER

Do you like part time income of 10k-15k rupees?
Career Times

By Colombia VIEW MORE

नयी दिल्ली, 27 दिसंबर (भाषा) इस्पात मंत्री चौधरी बीरेन्द्र सिंह खनिज, धातु, धातु विज्ञान और सामग्री (एमएमएमएम) पर राजधानी में आयोजित तीन दिवसरीय अंतराष्ट्रीय प्रदर्शनी का 29 अगस्त को उद्घाटन करेंगे।

इंटरनेशनल ट्रेड एक्जविशन इंडिया (आईटीईआई) और मिनिरल्स, मेटल्स , मेटलर्जी मैटीरियल्स एक्सपो.काम (एमएमएमएमत) द्वारा आयोजित इस औद्योगिक प्रदर्शनी एवं सम्मेलन के 12वें संस्करण में देश विदेश की कंपनियां और नीति निर्माता शामिल होंगे। इस प्रदर्शनी का आयोजन इस्पात मंत्रालय के साथ, खान, पृथ्वी विज्ञान, विदेश मंत्रालय, वाणिज्य एवं उद्योग, भारी उद्योग एवं लोक उपक्रम तथा सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम मंत्रालय के अलावा वैज्ञानिक एवं अनुसंधान परिषद के सहयोग से किया जा रहा है।

आयोजनकी की आज यहां जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी के प्रगति मैदान में 29 -31 अगस्त को आयोजित इस प्रदर्शनी में चीन, आस्ट्रिया, फ्रांस, फिनलैंड, जर्मनी, इटली, रूस, स्पेन, ब्रिटेन और अमेरिका समेत 15 देशों के 400 से अधिक कंपनियां शामिल होंगी।

इसके अलावा खनिज संसाधन से समृद्ध झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओड़िशा, कर्नाटक तथा गुजरात जैसे राज्यों की भी इसमें भागीदारी होगी।इस आयोजन में अमेरिका की प्रशुल्क नीति चर्चा का विशेष विषय हो सकती है। आईटीईआई के निदेशक संजीव बत्रा ने कहा कि अमेरिका जापान, ब्राजील और स्पेन के धातु उद्योग के प्रति नरमी दिखा रहा है लेकिन भारत के मामले में कोई नरमी नहीं दिख रही है।

प्रदर्शनी में सात देशों के व्यापार प्रतिनिधमंडल निवेश अवसर तलाशने के लिये प्रदर्शनी में शामिल होंगे। इस दौरान सरकार के प्रतिनिधि देश और विदेश के इस्पात उद्योगों के प्रमुखों के साथ क्षेत्र के समक्ष मौजूदा चुनौतियों और उससे निपटने के उपायों पर चर्चा करेंगे।

भाषा रमण मनोहर

खनिज धातु पर प्रदर्शनी बुधवार से, 400 कंपनियां जुटेंगी

IANS | UPDATED: 27.08.18

अभी - अभी 2 मिनट

नई दिल्ली, 27 अगस्त (आईएएनएस)| खनिज धातु, धातु विज्ञान और सामग्री अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन (एमएमएमएम) के 12वें संस्करण का उद्घाटन बुधवार को किया जाएगा। इसमें 15 देशों के 400 से अधिक प्रदर्शक भाग ले रहे हैं। यहां जारी एक बयान के अनुसार, प्रगति मैदान में आयोजित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन केंद्रीय इस्पात मंत्री चौधरी बिरेंद्र सिंह करेंगे। प्रदर्शनी में वैश्विक इस्पात नेता और भारत इस्पात उद्योग के दिग्गज मौजूदा चुनौतियों पर चर्चा करेंगे।

बयान के अनुसार, खनिज समृद्ध राज्यों झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, कर्नाटक और गुजरात से राज्यस्तरीय भागीदारी के अलावा देश-स्तर के चीन, ऑस्ट्रिया, फ्रांस, फिनलैंड, जर्मनी, इटली, रूस, स्पेन, ब्रिटेन और अमेरिका से भी भागीदारी होगी। सात देशों के व्यापार प्रतिनिधिमंडल निवेश के अवसरों के लिए प्रदर्शनी में आएंगे।

बयान के अनुसार, एमएमएमएम 2018 इस्पात मंत्रालय, खान मंत्रालय, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय और वैज्ञानिक औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के अलावा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के समर्थन से आयोजित किया जा रहा है।

इंटरनेशनल ट्रेड एंड एक्जिबिशन (आईटीईआई) के निदेशक संजीव बत्रा ने कहा, हमें आशा है कि सरकार दीर्घकालिक स्थायित्व और सकारात्मक पारिस्थितिक तंत्र को प्रोत्साहित करने के लिए स्पष्ट नीति शुरू करेगी।

टाटा स्टील लिमिटेड के सीईओ और प्रबंध निदेशक टीवी नरेन्द्रन ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में खनिज और धातु क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास को बढ़ावा देने वाली एक चालक शक्ति रही है, और इस क्षेत्र ने वर्तमान में राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 4-5 प्रतिशत योगदान है।

नरेन्द्रन ने कहा कि इस्पात क्षेत्र में सकारात्मक वृद्धि देखी जा रही है और यह प्रवृत्ति पूरे विश्व में आर्थिक गतिविधियों में सुधार के साथ जारी रहेगी।

इंडियन स्टील एसोसिएशन के महासचिव और कार्यकारी प्रमुख डॉ. भास्कर चटर्जी ने कहा कि इस्पात मंत्रालय भारत सरकार द्वारा दो महत्वपूर्ण नीतियों के पारित होने के साथ राष्ट्रीय इस्पात नीति 2017 और घरेलू रूप से निर्मित आयरन के लिए प्राथमिकता पर नीति और स्टील उत्पाद कच्चे माल की सुरक्षा में वृद्धि अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने आयात निर्भरता को कम करने और उचित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने जैसी महत्वपूर्ण चिंताओं को सामने आया है।

खनिज धातु पर प्रदर्शनी बुधवार से, 400 कंपनियां जुटेंगी

इस प्रदर्शनी में देश-विदेश का कंपनियां हिस्सा लेंगी।

नई दिल्ली। खनिज धातु, धातु विज्ञान और सामग्री अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन (एमएमएमएम) के 12वें संस्करण का उद्घाटन बुधवार को किया जाएगा। इसमें 15 देशों के 400 से अधिक प्रदर्शक भाग ले रहे हैं। सोमवार को जारी एक बयान के अनुसार, प्रगति मैदान में आयोजित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन केंद्रीय इस्पात मंत्री चौधरी बिरेंद्र सिंह करेंगे। प्रदर्शनी में वैश्विक इस्पात नेता और भारत इस्पात उद्योग के दिग्गज मौजूदा चुनौतियों पर चर्चा करेंगे। बयान के अनुसार, खनिज समृद्ध राज्यों झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, कर्नाटक और गुजरात से राज्यस्तरीय भागीदारी के अलावा देश-स्तर के चीन, ऑस्ट्रिया, फ्रांस, फिनलैंड, जर्मनी, इटली, रूस, स्पेन, ब्रिटेन और अमेरिका से भी भागीदारी होगी। सात देशों के व्यापार प्रतिनिधिमंडल निवेश के अवसरों के लिए प्रदर्शनी में आएंगे।

ये मंत्रालय आयोजित कर रहे प्रदर्शनी

बयान के अनुसार, एमएमएमएम 2018 इस्पात मंत्रालय, खान मंत्रालय, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय और वैज्ञानिक औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के अलावा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के समर्थन से आयोजित किया जा रहा है। इंटरनेशनल ट्रेड एंड एक्जिबिशन (आईटीईआई) के निदेशक संजीव बत्रा ने कहा कि हमें आशा है कि सरकार दीर्घकालिक स्थायित्व और सकारात्मक पारिस्थितिक तंत्र को प्रोत्साहित करने के लिए स्पष्ट नीति शुरू करेगी।

खनिज और धातु क्षेत्र का जीडीपी में 4-5 फीसदी योगदान

टाटा स्टील लिमिटेड के सीईओ और प्रबंध निदेशक टीवी नरेन्द्रन ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में खनिज और धातु क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास को बढ़ावा देने वाली एक चालक शक्ति रही है, और इस क्षेत्र में वर्तमान में राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 4-5 प्रतिशत योगदान है। नरेन्द्रन ने कहा कि इस्पात क्षेत्र में सकारात्मक वृद्धि देखी जा रही है और यह प्रवृत्ति पूरे विश्व में आर्थिक गतिविधियों में सुधार के साथ जारी रहेगी। इंडियन स्टील एसोसिएशन के महासचिव और कार्यकारी प्रमुख डॉ. भास्कर चटर्जी ने कहा कि इस्पात मंत्रालय भारत सरकार की ओर से दो महत्वपूर्ण नीतियों के पारित होने के साथ राष्ट्रीय इस्पात नीति 2017 और घरेलू रूप से निर्मित आयरन के लिए प्राथमिकता पर नीति और स्टील उत्पाद कच्चे माल की सुरक्षा में वृद्धि अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने आयात निर्भरता को कम करने और उचित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने जैसी महत्वपूर्ण चिंताओं को सामने लेकर आया है।

MEDIA COVERAGE

मयूर संवाद

होम | राष्ट्रीय | मनोरंजन | दिल्ली | आपका मोहल्ला | व्यापार | अंतरराष्ट्रीय | खेल | लाइफ स्टा

Home > राष्ट्रीय > प्रगति मैदान में होगा एमएमएमएम 2018

प्रगति मैदान में होगा एमएमएमएम 2018

संवाददाता (दिल्ली) खनिज धातु धातु विज्ञान और सामग्री अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन (एमएमएमएम) 2018का 12 वां संस्करण दुनिया के इस हिस्से में सबसे बड़ा का उद्घाटन 29 अगस्त 2018 को प्रगति मैदान में इस्पात मंत्री चौधरी बिरेंद्र सिंह इस्पात मंत्री वैश्विक इस्पात नेताओं और भारत इस्पात उद्योग के कप्तानों के साथ मौजूदा चुनौतियों पर भी चर्चा करेंगे। 15 विभिन्न देशों के 400 से अधिक प्रदर्शक एमएमएमएम 2018 में भाग ले रहे हैं। खनिज समृद्ध राज्यों झारखंड पश्चिम बंगाल उड़ीसा कर्नाटक और गुजरात से राज्य स्तरीय भागीदारी के अलावा देश-स्तर के चीन ऑस्ट्रिया फ्रांस फिनलैंड जर्मनी इटली रूस स्पेन ब्रिटेन और यूएसए से भी भागीदारी होगी। 7 देशों के व्यापार प्रतिनिधि मंडल निवेश के अवसरों के लिए एमएमएमएम 2018 पर भी जाएंगे। एमएमएमएम 2018 स्टील मंत्रालय खान मंत्रालय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय विदेश मंत्रालय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय और वैज्ञानिक औद्योगिक अनुसंधान परिषद सी एस आई आर के अलावा सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय समर्थित और सहप्रायोजित है।

इस नोट पर संजीव बत्रा निदेशक- आईटीईआई ने कहा कि अंततः 2 वर्षों के इंतजार के बाद यह आपको हमारे साथ साझा करने में हमें बहुत खुशी देता है कि आईटीई आई एमएमएमएम 2018 खनिज धातु धातु विज्ञान पर सबसे बड़ा और सबसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम का अनावरण प्रगति मैदान नईदिल्ली भारत में 29-31 अगस्त को करेगा। हमें आशा है कि सरकार दीर्घ कालिक स्थायित्व और सकारात्मक पारिस्थिति की तंत्र को प्रोत्साहित करने के लिए स्पष्ट नीति शुरू करेगी। चूंकि अमेरिकी सरकार भारत से इस्पात सलाखों पर एंटी डम्पिंग कर को बनाए रख रही है लेकिन हाल ही में जापान स्पेन और ब्राजील के लिए उन्हें समाप्त कर रही है एमएमएमएम 2018 व्यापक व्यापार मंच सभी हित धारकों के लिए संपादक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी निर्णय निर्माताओं और उद्योग के नेताओं उद्यमियों परामर्शदाताओं के साथ मिलकर बातचीत और नेटवर्क के लिए एक शानदार अवसर होगा। यह उम्मीद की जाती है कि एमएमएमएम 2018 12000S से अधिक व्यापार आगंतुक और 1000S विदेशी निवेशकों और दुनिया के प्रतिभागियों को गवाह करेगा। मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत सरकार द्वारा पहचाने जाने वाले लगभग दो दर्जन क्षेत्रों में कम से कम नौ उद्योगों में विनिर्माण की प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए इस्पात महत्वपूर्ण है। रीसाइक्लिंग और लिथियम आयन बैटरी पर एक विशेष सत्र होगा

टाटा स्टील लिमिटेड के सीईओ और प्रबंध निदेशक टीवी नरेन्द्रन ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में खनिज और धातु क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास को बढ़ावा देने वाली एक चालक शक्ति रही है इस क्षेत्र में वर्तमान में राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पादका लगभग 4-5 प्रतिशत योग दान है। 2030 तक प्रतिवर्ष 300 मिलियन टन राष्ट्रीय इस्पात नीति के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए यह वर्षों से आगे बढ़ने की उम्मीद है। श्री नरेन्द्रन ने कहा कि इस्पात क्षेत्र में सकारात्मक वृद्धि देखी जा रही है और यह प्रवृत्ति पूरे विश्व में आर्थिक गतिविधियों में सुधार के साथ जारी रहेगी।

इंडियन स्टील एसोसिएशन के महा सचिव और कार्यकारी प्रमुख डॉ भास्कर चटर्जी ने कहा कि इस्पात मंत्रालय भारत सरकार द्वारा दो महत्वपूर्ण नीतियों के पारित होने के साथ राष्ट्रीय इस्पात नीति 2017 और घरेलू रूप से निर्मित आयरन के लिए प्राथमिकता पर नीति और स्टील उत्पाद कच्चे माल की सुरक्षा में वृद्धि अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने आयात निर्भरता को कम करने और उचित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने जैसी महत्वपूर्ण चिंताओं को सामने आया है। इस समय एमएमएमएम 2018 जैसे प्लेटफॉर्म हितधारकों के लिए अपने उत्पादों प्रौद्योगिकियों और सेवाओं को आगे बढ़ाने के लिए एक समय पर अवसर प्रदान करते है

Share on:
WhatsApp

UNI BREVITY ACCURACY SPEED

यूनीवार्ता भारत की अग्रणी संवाद समिति

Tuesday, Sep 4 2018 | Time 14:37 Hrs(IST)

विकास यात्रा — सबका स… मजबूत …

एमएमएमएम का उद्घाटन 29 अगस्त राजधानी में

नयी दिल्ली 27 अगस्त (वार्ता) खनिज, धातु विज्ञान और सामग्री अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन (एमएमएमएम) का 12 वां संस्करण 29 अगस्त को राजधानी में प्रगति मैदान में शुरू होगा।

इसके आयोजक आईटीईआई ने सोमवार को यहां जारी बयान में कहा कि तीन दिवसीय इस प्रदर्शनी एवं सम्मेलन का इस्पात मंत्री चौधरी बिरेंद्र सिंह उद्घाटन करेंगे और इस मौके पर देश विदेश के दिग्गज इस्पात उद्यमी मौजूद रहेंगे। दो वर्षों के इंतजार के बाद आईटीईआई एमएमएमएम 2018 का आयोजन राजधानी में किया जा रहा है।

इसमें एक हजार से अधिक विदेशी प्रतिनिधियों सहित 12 हजार से अधिक प्रतिनिधियों के भाग लेने की संभावना है। 15 विभिन्न देशों के 400 से अधिक प्रदर्शक एमएमएमएम में भाग लेंगे। खनिज समृद्ध राज्यों झारखंड, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, कर्नाटक और गुजरात के राज्यस्तरीय भागीदारी के अलावा चीन, ऑस्ट्रिया, फ्रांस, फिनलैंड, जर्मनी, इटली, रूस, स्पेन, ब्रिटेन और अमेरिका की कंपनियों भी इसमें भाग लेंगी।

शेखर

वार्ता

बिज़नेस स्टैंडर्ड Business Standard

Tuesday, September 04, 2018 03:09 PM | English | हिंदी

होम | बाजार | कंपनियां | अर्थव्यवस्था | मुद्रा | विश्लेषण | निवेश | जिंस |

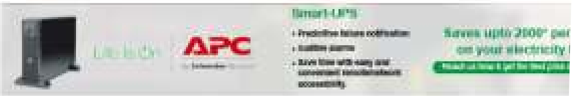

होम → → खबर

इलेक्ट्रिक वाहनों के लिये उच्च ग्रेड मैगनीज विकसितक पर विचार कर रही मॉयल

PTI / September 01, 2018

नयी दिल्ली, 29 अगस्त (भाषा) सरकारी कंपनी मॉयल बैटरी के लिये उच्च ग्रेड मैगनीज विकसित करने पर विचार कर रही है, जिसका उपयोग इलेक्ट्रिक वाहनों में किया जा सकता है। इस्पात मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह ने आज यह बात कही।

संबंधित खबरें

- एटी एंड सी के घाटे की भरपाई का लक्ष्य अवास्तविक : योजना आयोग
- डिजी कर भरपाई के लिए मिल सकती है बजट सहायता
- विस्तार क्रमाम मंत्री
- महिलाओं,बच्चों और अल्पसंख्यकों को लुभाया गया तड़का इस बजट में
- साफ्टवेयर-पार्क की कर छूट की समय-सीमा नहीं बढ़ने की संभावना
- खाद्य कीमतों के कारण मुद्रास्फीति अब भी खतरा-सिदबम

देश की सबसे बड़ी मैगनीज अयस्क उत्पादक मॉयल द्वारा यह अध्ययन ऐसे समय किया जा रहा है जब सरकार वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिये आक्रामक तरह से इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दे रहा है।

सिंह ने आईटीईआई द्वारा आयोजित खनिज एवं धातु क्षेत्र पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में यह बात कही।

इस्पात मंत्री ने कहा कि हमारा ध्यान भारत की जरूरतों के आधार पर स्वदेशी तकनीकी और समाधान विकसित करने पर होना चाहिये।

भाषा

उद्घाटन 29 को

जयपुर। खनिज धातु धातु विज्ञान और सामग्री अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन (एमएमएमएम) 2018का 12 वां संस्करण दुनिया के इस हिस्से में सबसे बड़ा का उद्घाटन 29 अगस्त 2018 को प्रगति मैदान में इस्पात मंत्री चौधरी बिरेंद्र सिंह इस्पात मंत्री मौजूदा चुनौतियों पर भी चर्चा करेंगे। आईटीईआई के निदेशक संजीव बत्रा ने कहा कि अंततः 2 वर्षों के इंतजार के बाद यह आपको हमारे साथ साझा करने में हमें बहुत खुशी देता है कि आई टीई आई एमएमएमएम 2018 खनिज धातु धातु विज्ञान पर सबसे बड़ा और सबसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम का अनावरण प्रगति मैदान नईदिल्ली भारत में 29-31 अगस्त को करेगा।

एमएमएमएम का उद्घाटन 29 को

लखनऊ। खनिज धातु धातु विज्ञान और सामग्री अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन (एमएमएमएम) 2018 का 12 वां संस्करण दुनिया के इस हिस्से में सबसे बड़ा का उद्घाटन 29 अगस्त को प्रगति मैदान में इस्पात मंत्री चौधरी बिरेंद्र सिंह इस्पात मंत्री मौजूदा चुनौतियों पर चर्चा करेंगे। आईटीईआई के निदेशक संजीव बत्रा ने कहा अंततः 2 वर्षों के इंतजार के बाद यह आपको हमारे साथ साझा करने में हमें बहुत खुशी है कि आई टीई आई एमएमएमएम-18 खनिज धातु धातु विज्ञान पर सबसे बड़ा और सबसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम का अनावरण प्रगति मैदान नई दिल्ली में 29-31 अगस्त को होगा। आशा है कि सरकार दीर्घ कालिक स्थायित्व और सकारात्मक परिस्थिति की तंत्र को प्रोत्साहित करने के लिए स्पष्ट नीति शुरू करेगी। चूंकि अमेरिकी सरकार भारत से इस्पात सलाखों पर एंटी डम्पिंग कर को बनाए रखी है लेकिन हाल ही में जापान स्पेन और ब्राजील के लिए उन्हें समाप्त कर रही है एमएमएमएम 2018 व्यापक व्यापार मंच सभी हित धारकों के लिए संपादक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी निर्णय निर्माताओं और उद्योग के उद्यमियों के परामर्शदाताओं के साथ मिलकर बातचीत और नेटवर्क के लिए शानदार अवसर होगा।

MEDIA COVERAGE

Business Standard

Steel industry hopes govt will bring clear policy to boost ecosystem

Chaudhary Birender Singh, Minister of Steel, to inaugurate MMMM 2018 at Pragati Maidan, New Delhi on August 29

BS Reporter | New Delhi
Last Updated at August 28, 2018 13:00 IST

REGISTER NOW!

Demand new standards for your heat exchangers Discover how

Steel industry hopes govt will bring clear policy to boost ecosystem

By FC Bureau , Tuesday, 28 August 2018

City: New Delhi

The Minister of Steel Chaudhary Birender Singh will hold discussions with global leaders and captains of India steel Industry on the current challenges at the 12th edition of Minerals, Metals, Metallurgy & Materials International Exhibition and Conference (MMMM 2018), one of the largest in this part of the world.

More than 400 exhibitors from 15 different countries are participating in MMMM 2018 which will be inaugurated by the minister of Steel at Pragati Maidan on August 29, 2018.

It shall have country-level participation from China, Austria, France, Finland, Germany, Italy, Russia, Spain, UK & USA besides state-level participation from mineral rich states of Jharkhand, West Bengal, Orissa, Karnataka & Gujarat. Trade delegations from 7 countries will visit MMMM 2018 for investment opportunities as well.

MMMM 2018 is supported and co-sponsored by Ministry of Steel; Ministry of Mines; Ministry of Earth Sciences; Ministry of External Affairs; Ministry of Commerce & Industry; Ministry of Heavy Industries and Public Enterprises and Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises besides Council of Scientific & Industrial Research (CSIR).

On this note, Mr. Sanjeev Batra, Director- ITEI said finally after a wait of 2 long years it gives us immense pleasure to share with you that ITEI will unveil MMMM 2018, the largest and the most prestigious event on Minerals, Metals, Metallurgy & Materials on August 29-31, 2018 at Pragati Maidan , New Delhi, India. We hope that government would initiate clear policy to encourage long term sustainability and positive ecosystem. As the US government is maintaining antidumping duties on steel bars from India but is ending them for Japan, Spain, and Brazil recently, MMMM 2018 comprehensive business platform will be a great opportunity for all stakeholders to meet, interact and network with the entrepreneurs, consultants, editors, senior government officials, decision makers and industry leaders. It is expected that MMMM 2018 will witness more than 12,000+ Trade visitor and 1000+ foreign investors and participants from the globe. Steel is crucial to competitiveness of manufacturing in at least nine industries out of nearly two dozen sectors identified by the Government as focus areas under "Make in India" program. There will be a special session on Recycling and Lithium-ion batteries.

T.V Narendran, CEO & Managing Director, Tata Steel Limited said that Over the years, the minerals and metals sector has been a driving force propelling the growth of the Indian economy, with the sector currently contributing to around 4.5 per cent of the national's GDP. This is expected to go up in the years ahead in view of the National Steel policy target of 300 million tonnes per annum by 2030. Shri Narendran said the steel sector has been witnessing a positive growth and this trend will continue with improving economic activities across the world.

Dr. Bhaskar Chatterjee, Secretary General & Executive Head of Indian Steel Association said that with the passage of two important policies by the Ministry of Steel, Government of India, that is "National Steel Policy 2017" and "Policy on Preference to Domestically Manufactured Iron & Steel Products", important concerns like enhancing raw material security, fostering R&D activities, reducing import dependency and promoting fair international trade have come to the fore. At this juncture, platforms like MMMM 2018 provide a timely opportunity for the stakeholders to further promote their products, technologies and services, and highlight the best way forward to achieve the future growth avenues for the industry.

Notable speakers at MMMM 2018 shall be CMD/CEO of SAIL, JSW Steel, Tata steel, NMDC, NALCO, Midhani, NINL, NIPPON, Indian Oil, Paul Wurth, Sino Steel. Indian Steel Alliance, Mecon, Bureau of Indian standard and Hindustan Copper Limited.

MEDIA COVERAGE

Steel industry hopes govt will bring clear policy to boost ecosystem

City: New Delhi

The Minister of Steel Chaudhary Birender Singh will hold discussions with global leaders and captains of India steel Industry on the current challenges at the 12th edition of Minerals, Metals, Metallurgy & Materials International Exhibition and Conference (MMMM 2018), one of the largest in this part of the world.

More than 400 exhibitors from 15 different countries are participating in MMMM 2018 which will be inaugurated by the minister of Steel at Pragati Maidan on August 29, 2018.

It shall have country-level participation from China, Austria, France, Finland, Germany, Italy, Russia, Spain, UK & USA besides state-level participation from mineral rich states of Jharkhand, West Bengal, Orissa, Karnataka & Gujarat. Trade delegations from 7 countries will visit MMMM 2018 for investment opportunities as well.

MMMM 2018 is supported and co-sponsored by Ministry of Steel; Ministry of Mines; Ministry of Earth Sciences; Ministry of External Affairs; Ministry of Commerce & Industry; Ministry of Heavy Industries and Public Enterprises and Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises besides Council of Scientific & Industrial Research (CSIR).

On this note, Mr. Sanjeev Batra, Director- ITEI said finally after a wait of 2 long years it gives us immense pleasure to share with you that ITEI will unveil MMMM 2018, the largest and the most prestigious event on Minerals, Metals, Metallurgy & Materials on August 29-31, 2018 at Pragati Maidan , New Delhi, India. We hope that government would initiate clear policy to encourage long term sustainability and positive ecosystem. As the US government is maintaining antidumping duties on steel bars from India but is ending them for Japan, Spain, and Brazil recently, MMMM 2018 comprehensive business platform will be a great opportunity for all stakeholders to meet, interact and network with the entrepreneurs, consultants, editors, senior government officials, decision makers and industry leaders. It is expected that MMMM 2018 will witness more than 12,000+ Trade visitor and 1000+ foreign investors and participants from the globe. Steel is crucial to competitiveness of manufacturing in at least nine industries out of nearly two dozen sectors identified by the Government as focus areas under "Make in India" program. There will be a special session on Recycling and Lithium-ion batteries.

T.V Narendran, CEO & Managing Director, Tata Steel Limited said that Over the years, the minerals and metals sector has been a driving force propelling the growth of the Indian economy, with the sector currently contributing to around 4.5 per cent of the national's GDP. This is expected to go up in the years ahead in view of the National Steel policy target of 300 million tonnes per annum by 2030. Shri Narendran said the steel sector has been witnessing a positive growth and this trend will continue with improving economic activities across the world.

Dr. Bhaskar Chatterjee, Secretary General & Executive Head of Indian Steel Association said that with the passage of two important policies by the Ministry of Steel, Government of India, that is "National Steel Policy 2017" and "Policy on Preference to Domestically Manufactured Iron & Steel Products", important concerns like enhancing raw material security, fostering R&D activities, reducing import dependency and promoting fair international trade have come to the fore. At this juncture, platforms like MMMM 2018 provide a timely opportunity for the stakeholders to further promote their products, technologies and services, and highlight the best way forward to achieve the future growth avenues for the industry.

Notable speakers at MMMM 2018 shall be CMD/CEO of SAIL, JSW Steel, Tata steel, NMDC, NALCO, Midhani, NINL, NIPPON, Indian Oil, Paul Wurth, Sino Steel. Indian Steel Alliance, Mecon, Bureau of Indian standard and Hindustan Copper Limited.

ALFABTC

IQFINEX BE THE FIRST Join the innovative crypto exchange

CRYPTOCURRENCY | MARKET | FOREX | GOLD | PETROLEUM

Steel industry hopes govt will bring clear policy to boost ecosystem

---

बिज़नेस स्टैंडर्ड

Tuesday, September 04, 2018 | English | हिंदी

होम | बाज़ार | कंपनियां | अर्थव्यवस्था | मुद्रा | विश्लेषण | विशेष | वित्त | क्षेत्रीय | वैश्विक | विविध | अर्थशास्त्र

Google Chrome
Chrome Safe Browsing will protect you from malicious sites.
DOWNLOAD

होम > विश्व > खबर

खनन-धातु क्षेत्र की अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी एमएमएमएम का उद्घाटन बुधवार को

बीएस संवाददाता / नई दिल्ली August 28, 2018

खनन और धातु क्षेत्र से संबंधित अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी एवं सम्मेलन (एमएमएमएम 2018) के 12वें संस्करण का आयोजन बुधवार को होगा। प्रगति मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय इस्पात मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह करेंगे। इस अवसर पर इस्पात मंत्री भारतीय इस्पात उद्योग के प्रमुखों और विश्व के नेताओं के साथ मौजूदा चुनौतियों पर भी चर्चा करेंगे। कार्यक्रम में 15 विभिन्न देशों के 400 से अधिक प्रदर्शक हिस्सा ले रहे हैं। इनमें चीन, ऑस्ट्रिया, फ्रांस, फिनलैंड, जर्मनी, इटली, रूस, स्पेन, ब्रिटेन और अमेरिका जैसे प्रमुख देश भी शामिल हैं। कार्यक्रम में खनिज समृद्ध राज्यों झारखंड, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, कर्नाटक और गुजरात भी शामिल होंगे। इसके साथ ही सात देशों की ओर से व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी निवेश के अवसरों के मद्देनजर एमएमएमएम 2018 में आएंगे।

Keyword: MMMM 2018, Steel, Pragati Maidan, Birender Singh, Minerals, Metals, Metallurgy, Exhibition, Conference.

आपका मत

NBT | बिज़नस ET | बिज़नस न्यूज़ | शेयर बाजार | कमाएं-बचाएं | प्रॉपर्टी | इनकम टैक्स | कमोडिटीज़

नवभारत टाइम्स
बिज़नस न्यूज़

Make money every day with Copy/Paste tasks like Sameer
Ad: Career Times

Hindi News » Business » Business News in Hindi » Discussions Regarding The Power Agreement Between Bhushan Ste

भूषण स्टील, भूषण एनर्जी के बीच हुये बिजली समझौते पर विचार विमर्श जारी: टाटा स्टील

यह आर्टिकल एजेंसी फीड से ऑटो-अपलोड हुआ है। इसे नवभारतटाइम्स.कॉम की टीम ने एडिट नहीं किया है।

भाषा | Updated Aug 29, 2018, 06:45PM IST

SUBSCRIBE NEWSLETTER

5 Delhi bars on the list of every sports fan
LiveInStyle
VIEW MORE

नयी दिल्ली, 29 अगस्त (भाषा) टाटा स्टील ने आज कहा कि भूषण स्टील और भूषण एनर्जी के बीच हुये बिजली खरीद समझौते पर विचार विमर्श जारी है। कर्ज बोझ तले दबी भूषण स्टील का टाटा स्टील ने अधिग्रहण किया है।

टाटा स्टील की ओर से यह बयान ऐसे समय आया जब इस तरह के समाचार आ रहे थे कि लागत कम करने के लिये भूषण स्टील और भूषण एनर्जी के बीच हुये बिजली खरीद समझौते को टाटा स्टील ने खत्म करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

टाटा स्टील के इस्पात कारोबार एवं गुणवत्ता प्रबंधन के अध्यक्ष आनंद सेन ने संवाददाताओं से कहा, "भूषण स्टील का एक अन्य कंपनी भूषण एनर्जी लिमिटेड के साथ बिजली खरीद समझौता है। फिलहाल इस समय इस पर बातचीत चल रही है और अभी कुछ नहीं हुआ है। इनके बीच हुये अनुबंध को लेकर बातचीत चल रही है।"

उन्होंने यह बात आईटीईआई द्वारा खनिज एवं धातु क्षेत्र पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन से इतर कही।

सेन ने कहा, "कंपनी महसूस कर रही है कि यह अनुबंध आर्थिक रूप से व्यावहारिक नहीं है इसलिये इसकी जांच की जा रही है और भूषण एनर्जी लिमिटेड के मालिकों से दोनों पक्षों के लिये लाभकारी अनुबंध पर चर्चा चल रही है।"

भूषण एनर्जी, भूषण स्टील लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी है।

जब उनसे पूछा गया कि क्या कंपनी ने बिजली समझौते को रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है तो इस पर उन्होंने कहा, "मुझे नहीं पता कि बिजली खरीद समझौते को रद्द किया जा रहा है या नहीं, लेकिन इसके अनुबंध पर चर्चा चल रही है।"

MEDIA COVERAGE

टाटा स्टील ने साफ किया किया भूषण एनर्जी के साथ करार पर बात जारी है। कंपनी के **प्रेसिडेंट आनंद सेन** के मुताबिक भूषण एनर्जी के साथ करार रद्द होने की जानकारी नहीं है। इसके साथ ही आनंद सेन ने थिसेनक्रुप जेवी और विस्तार पर भी बात की।

उन्होंने कहा कि थिसेनक्रुप के साथ जेवी पर काम चल रहा है। कंपनी के कलिंगानगर प्लांट में विस्तार 2021 तक पूरा हो जाएगा। गुरुग्राम प्लांट में स्क्रैप प्लांट अभी शुरू नहीं हुआ है। कंपनी विस्तार योजना पर काम कर रही इसके लिए अधिग्रहण पर नजर बनी हुई है।

Steel Baba

HOME | NEWS | PRICES | ADVERTISEMENT | FAQ | COMPANY | SEND REQUEST | FEEDBACK

Post Details

धातु सामग्री की रीसाइक्लिंग के लिए विषेष जोन बनाने का उद्योग जगत का सुझाव

Recommended By Colombia

Steel industry hopes govt will bring clear policy to boost ecosystem

in Commodity News 29/08/2018

The 12th edition of the Minerals, Metals, Metallurgy & Materials International Exhibition and Conference (MMMM 2018), one of the largest such event in Asia, will be inaugurated by Minister of Steel Chaudhary Birender Singh at New Delhi's Pragati Maidan on Wednesday. The minister will also discuss the current challenges with global leaders and captains of India's steel industry.

More than 400 exhibitors from 15 different countries are participating in MMMM 2018. It will have country-level participation from China, Austria, France, Finland, Germany, Italy, Russia, Spain, the UK and US, besides state-level participation from mineral-rich Jharkhand, West Bengal, Odisha, Karnataka and Gujarat. Trade delegations from 7 countries will visit MMMM 2018 for investment opportunities as well.

MMMM 2018 is supported and co-sponsored by the Union ministries of steel, mines, earth sciences, external affairs, commerce & industry, heavy industries and public enterprises, and micro, small & medium enterprises (MSME), besides the Council of Scientific & Industrial Research (CSIR).

Sanjeev Batra, director, ITEI, said the industry was hoping the government would initiate a clear policy to encourage long-term sustainability and positive ecosystem. As the US government is maintaining anti-dumping duties on steel bars from India but is ending them for Japan, Spain, and Brazil recently, MMMM 2018 will be a great opportunity for all stakeholders to meet, interact and network with entrepreneurs, consultants, editors, senior government officials, decision makers and industry leaders.

Source: Business Standard

MEDIA COVERAGE

Gift your teacher an ET Prime Sub
ETPrime Visit www.etprime.c

MARKET STATS 38,150 ▼ -181.08 | 11,516 ▼ -65.85 | 30,265.00 ▼ -82.00 | 71.46 ▲ 0.24

By December end, we may become second largest steel producer in world: Chaudhary Birender Singh

ET Now | Aug 29, 2018, 05.08 PM IST

*Within a short span of time, by following the practice of Indian made steel for government projects, we have been able to save at least Rs 5000 crore, **Chaudhary Birender Singh**, Steel Minister, tells ET Now.*

Edited excerpts:

What is your overview on how the Indian steel sector is positioned right now and the return pricing power for Indian steel makers?

For about a year, there has been a turnaround. We were facing a lot of crisis about two years back. But now things are on the right track and the way steel industry is moving, I expect that the targets in our national policy of 2017 will be met. We have capacity for 300 million tonnes.

One more thing which is very important is we are making efforts to see that Make in India programme is successful and the equipment which has to be purchased to increase capacities, is available within our country. A lot of global producers, manufacturers of different machines, have showed interest in putting up their industry in India. That way, we would be able to save a lot of foreign exchange.

India has been able to beat Japan and become the third largest steel producer in the world. Now we are seeing a lot of idle capacity being used thanks to NCLT. Do you believe India could in the near future attain the second spot in terms of steel production in the world?

In the first three months of this year, we got the position of second largest steel producer and we hope by the end of this financial year, rather by the end of December 2018, we may attain the position of second largest steel producer in the world.

Imports are back because for the April to June quarter, India became a net importer of steel and that too after many quarters of declining steel imports. Would you be worried because America has put up tariff barriers? Many are saying that steel from Korea and Japan is finding its way to Indian shores. Would you be worried?

We are all aware of this kind of happenings. At present, there is a marginal increase in imports but not to that level where we have to take some steps. We are watching the overall trend in the steel market.

We have seen Indian steel prices rise significantly over the last couple of weeks as iron ore prices have gone up as well. Would you look at the way iron ore major NMDC is pricing iron ore because the smaller steel makers are complaining of higher iron ore prices?

Steel is a deregulated sector. We do not have control over prices but still I have formed a task force to look into this aspect of NMDC raising prices. The report is almost ready. What I could say is in spite of this, there is no regulation or no authority to regulate prices.

Our mandate is very clear but I still think that for secondary steel, there should be some benchmark maybe for six or four months, so that secondary steel should not suffer on frequent fluctuation in prices. Anyway, first I have to look at the report and then we would see what kind of steps can be taken to ensure some periodical smoothness of pricing.

Would you be worried about this global trade war that is brewing between US and China and other countries as getting involved well? We in turn have FTAs with countries like Japan and Korea. Do you believe Indian steel making could get affected on account of this?

As far as America is concerned, our total import from US is 0.31%. But if America still imports 80 million tonne of steel from other countries and the tariff barrier is put there, then naturally those countries will be looking to dump their product. We were very careful on that account but at present there is no such situation where we can go for retaliatory measures.

Has India approached the US for any exemption from that tariff of 25% that has been imposed? Is there any communication with respect to that?

When they imposed these conditions, then commerce ministry did act on that. But we are not the only country, there are so many other countries who wanted that the balance of trade should be maintained and initially some response was also there. But for the time now, there is no such response from America. Let us see what is to be done.

One of the very interesting provisions of the national steel policy was that government project should use only Indian steel and this is a practice followed by a lot of other countries as well. We saw big rail order going to JSPL recently. So, is Indian infra now being built and structured by Indian steel?

Within a short span of time, we have been able to save at least Rs 5000 crore and there can be only two conditions: if somebody domestically is not in a position to give a required amount or a particular grade, then only import is allowed. Otherwise all the government agencies, PSUs and government departments have been told that it should be made clear in the tendering process that only Indian made steel would be given priority.

MOIL mulls developing high-grade manganese for electric vehicles

Press Trust of India | New Delhi
Last Updated at August 29, 2018 19:15 IST

ALSO READ
India must aim to become No. 1 quality steel producer: Min
Odisha has potential to produce 100 MT steel: Minister
Steel ministry PSUs to promote rural sports, games for differently-abled: Minister
Centre keen to develop Kalinganagar as steel hub: minister
Steel sector brought on track in four years: Steel Minister
Ready to Move, 3 BHK Independent Floor @ Exclusive Price Deal
CBRE Homes

State-owned MOIL is looking to develop high-grade manganese for batteries which could be used in electric vehicles (EVs), Steel Minister Chaudhary Birender Singh said today.

The research by MOIL, the country's top manganese ore producer, comes at a time when the government is aggressively pushing for electric vehicles to curb air pollution.

Singh was speaking at an international conference on minerals and metal sector organised by ITEI.

"Our focus should be on indigenisation and developing technologies and solutions specific to needs of India," he said.

The power ministry had earlier said the government was considering providing subsidy for setting up e-vehicle charging infrastructure, under a policy.

However, Power Secretary A K Bhalla was of the view that it is a chicken and egg situation because charging stations would not be set up without enough e-vehicles and e-vehicle sales would not pick up unless there is enough facility to charge these vehicles.

With an aim to promote EVs, the government had launched Faster Adoption and Manufacturing of Hybrid and Electric vehicles in India (FAME India) scheme in 2015.

As per the scheme, incentives would be offered on electric and hybrid vehicles of up to Rs 29,000 for bikes and Rs 1.38 lakh for cars.

Last week, Essel Infraprojects said it was planning to invest Rs 1,750 crore in phased manner to set up electric vehicle charging and battery swapping infrastructure.

Singh also pointed out that in the metal sector, India was strengthening its position with every passing year.

About the steel sector, he said, it is a brilliant example of transformation and turnaround with the joint efforts of the government and the industry.

MEDIA COVERAGE

Minister for Steel to inaugurate Minerals, Metals, Metallurgy & Materials International Conference

By *Rakhi Mazumdar*, ET Bureau | Aug 27, 2018, 04.52 PM IST

Save

0 Comments

A+

Minister for Steel, Chaudhary Birender Singh is set to inaugurate the 12th edition of Minerals, Metals, Metallurgy & Materials International Exhibition and Conference (MMMM 2018) at Pragati Maidan on August 29, 2018. At the meet, a leading biennial international event for industry professionals, he is poised to discuss current challenges faced the industry with global leaders and captains of the domestic steel Industry.

Platforms like MMMM 2018 provide a timely opportunity for stakeholders to promote their products, technologies and services, Bhaskar Chatterjee, Secretary General, Indian Steel Association said. This is particularly true at a time when passage of two important policies by the steel ministry -- National Steel Policy 2017 and Policy on Preference to Domestically Manufactured Iron & Steel Products – have brought to the fore concerns like, enhancing raw material security, fostering R&D activities, reducing import dependency and promoting fair international trade.

T V Narendran Tata Steel NSE -0.77 % CEO said the steel sector has been witnessing a positive growth and this trend will continue with improving economic activities across the world. While minerals and metals sector currently contribute around 4.5% of GDP, this is expected to go up in the years ahead in view of the National Steel policy target of achieving a production of 300 million tonne per annum by 2030, he added.

"We hope that the government would initiate clear policy to encourage long term sustainability and positive ecosystem. With the US government maintaining anti-dumping duties on steel bars from India but scrapping it for Japan, Spain, and Brazil recently, MMMM 2018 will offer a good opportunity for all stakeholders to meet, interact and network with entrepreneurs, consultants, editors, senior government officials, decision makers and industry leaders," Sanjeev Batra, Director- ITEI said. There will be a special session on Recycling and Lithium-ion batteries at the meet, which is likely to receive over 12,000 trade visitors and over 1,000 foreign investors and participants from across the globe.

स्वतंत्र प्रभात

कारोबार

प्रगति मैदान में होगा एमएमएमएम 2018

खनिज धातु धातु विज्ञान और सामग्री अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन (एमएमएमएम) 2018का 12 वां संस्करण दुनिया के इस हिस्से में सबसे बड़ा का उद्घाटन 29 अगस्त 2018 को प्रगति मैदान में इस्पात मंत्री चौधरी बिरेंद्र सिंह इस्पात मंत्री वैश्विक इस्पात नेताओं और भारत इस्पात उद्योग के कप्तानों के साथ मौजूदा चुनौतियों पर भी चर्चा करेंगे।

15 विभिन्न देशों के 400 से अधिक प्रदर्शक एमएमएमएम 2018 में भाग ले रहे हैं। खनिज समृद्ध राज्यों झारखंड पश्चिम बंगाल उड़ीसा कर्नाटक और गुजरात से राज्य स्तरीय भागीदारी के अलावा देश-स्तर के चीन ऑस्ट्रिया फ्रांस फिनलैंड जर्मनी इटली रूस स्पेन ब्रिटेन और यूएसए से की भागीदारी होगी।

7 देशों के व्यापार प्रतिनिधि मंडल निवेश के अवसरों के लिए एमएमएमएम 2018 पर भी जाएंगे। एमएमएमएम 2018 स्टील मंत्रालय खान मंत्रालय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय विदेश मंत्रालय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय और वैज्ञानिक औद्योगिक अनुसंधान परिषद सी एस आई आर के अलावा सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय समर्थित और सहप्रायोजित है।

इस नोट पर संजीव बत्रा निदेशक- आईटीईआई ने कहा कि अंततः 2 वर्षों के इंतजार के बाद यह आपको हमारे साथ साझा करने में हमें बहुत खुशी देता है कि आईटीई आई एमएमएमएम 2018 खनिज धातु धातु विज्ञान पर सबसे बड़ा और सबसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम का अनावरण प्रगति मैदान नईदिल्ली भारत में 29-31 अगस्त को करेगा। हमें आशा है कि सरकार दीर्घ कालिक स्थायित्व और सकारात्मक पारिस्थिति की तंत्र को प्रोत्साहित करने के लिए स्पष्ट नीति शुरू करेगी।

चूंकि अमेरिकी सरकार भारत से इस्पात सलाखों पर एंटी डम्पिंग कर को बनाए रख रही है लेकिन हाल ही में जापान स्पेन और ब्राजील के लिए उन्हें समाप्त कर रही है एमएमएमएम 2018 व्यापक व्यापार मंच सभी हित धारकों के लिए संपादक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी निर्णय निर्माताओं और उद्योग के नेताओं उद्यमियों परामर्शदाताओं के साथ मिलकर बातचीत और नेटवर्क के लिए एक शानदार अवसर होगा।

यह उम्मीद की जाती है कि एमएमएमएम 2018 12000$ से अधिक व्यापार आगंतुक और 1000$ विदेशी निवेशकों और दुनिया के प्रतिभागियों को गवाह करेगा। मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत सरकार द्वारा पहचाने जाने वाले लगभग दो दर्जन क्षेत्रों में कम से कम नौ उद्योगों में विनिर्माण की प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए इस्पात महत्वपूर्ण है। रीसाइक्लिंग और लिथियम आयन बैटरी पर एक विशेष सत्र होगा

टाटा स्टील लिमिटेड के सीईओ और प्रबंध निदेशक टीवी नरेन्द्रन ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में खनिज और धातु क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास को बढ़ावा देने वाली एक चालक शक्ति रही है इस क्षेत्र में वर्तमान में राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पादका लगभग 4-5 प्रतिशत योग दान है।

2030 तक प्रतिवर्ष 300 मिलियन टन राष्ट्रीय इस्पात नीति के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए यह वर्षों से आगे बढ़ने की उम्मीद है। श्री नरेन्द्रन ने कहा कि इस्पात क्षेत्र में सकारात्मक वृद्धि देखी जा रही है और यह प्रवृत्ति पूरे विश्व में आर्थिक गतिविधियों में सुधार के साथ जारी रहेगी।

इंडियन स्टील एसोसिएशन के महा सचिव और कार्यकारी प्रमुख डॉ भास्कर चटर्जी ने कहा कि इस्पात मंत्रालय भारत सरकार द्वारा दो महत्वपूर्ण नीतियों के पारित होने के साथ राष्ट्रीय इस्पात नीति 2017 और घरेलू रूप से निर्मित आयरन के लिए प्राथमिकता पर नीति और स्टील उत्पाद कच्चे माल की सुरक्षा

में वृद्धि अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने आयात निर्भरता को कम करने और उचित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने जैसी महत्वपूर्ण चिंताओं को सामने आया है। इस समय एमएमएमएम 2018 जैसे प्लेटफॉर्म हितधारकों के लिए अपने उत्पादों प्रौद्योगिकियों और सेवाओं को आगे बढ़ाने के लिए एक समय पर अवसर प्रदान करते है

MEDIA COVERAGE

moneycontrol

MOIL mulls developing high-grade manganese for electr

"Our focus should be on indigenisation and developing technologies and solutions specific to needs of India," he said.

PTI

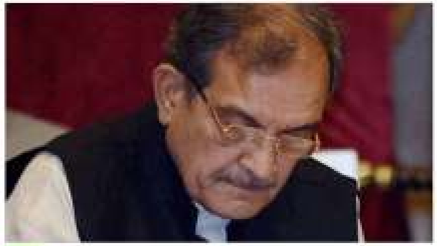

State owned MOIL is looking to develop high-grade manganese for batteries which could be used in electric vehicles (EVs), Steel Minister Chaudhary Birender Singh said today.

The research by MOIL, the country's top manganese ore producer, comes at a time when the government is aggressively pushing for electric vehicles to curb air pollution. Singh was speaking at an international conference on minerals and metal sector organised by ITEI.

"Our focus should be on indigenisation and developing technologies and solutions specific to needs of India," he said.

The power ministry had earlier said the government was considering providing subsidy for setting up e-vehicle charging infrastructure, under a policy.

However, Power Secretary A K Bhalla was of the view that it is a chicken and egg situation because charging stations would not be set up without enough e-vehicles and e-vehicle sales would not pick up unless there is enough facility to charge these vehicles.

With an aim to promote EVs, the government had launched Faster Adoption and Manufacturing of Hybrid and Electric vehicles in India (FAME India) scheme in 2015.

As per the scheme, incentives would be offered on electric and hybrid vehicles of up to Rs 29,000 for bikes and Rs 1.38 lakh for cars.

Last week, Essel Infraprojects said it was planning to invest Rs 1,750 crore in phased manner to set up electric vehicle charging and battery swapping infrastructure.

Singh also pointed out that in the metal sector, India was strengthening its position with every passing year. About the steel sector, he said, it is a brilliant example of transformation and turnaround with the joint efforts of the government and the industry.

"Indian steel industry has come a long way since its downturn we are at the verge of becoming second largest (steel producer) in 2018," he added.

SmartInvestor.in

Live Markets | Companies | Personal Finance | Commodities | Portfolio

Market Statistics | News & Advice | Derivatives | IPO | Smart Charts | Commodities

Live Markets » News & Advice » Latest Stories » Latest Stories Details

Latest Stories Details

Back

Steel industry hopes govt will bring clear policy to boost ecosystem

BS Reporter/New Delhi 28 Aug 18 | 12:56 PM

Share | Share | Email this | Print

The 12th edition of the Minerals, Metals, Metallurgy & Materials International Exhibition and Conference (MMMM 2018), one of the largest such event in Asia, will be inaugurated by Minister of Steel Chaudhary Birender Singh at New Delhi's Pragati Maidan on Wednesday. The minister will also discuss the current challenges with global leaders and captains of India's steel industry.

More than 400 exhibitors from 15 different countries are participating in MMMM 2018. It will have country-level participation from China, Austria, France, Finland, Germany, Italy, Russia, Spain, the UK and US, besides state-level participation from mineral-rich Jharkhand, West Bengal, Odisha, Karnataka and Gujarat. Trade delegations from 7 countries will visit MMMM 2018 for investment opportunities as well.

Related Stories

No Related Stories Found

Ad closed by Google
Stop seeing this ad
Why this ad?

MMMM 2018 is supported and co-sponsored by the Union ministries of steel, mines, earth sciences, external affairs, commerce & industry, heavy industries and public enterprises, and micro, small & medium enterprises (MSME), besides the Council of Scientific & Industrial Research (CSIR).

ALSO READ: Steel Ministry unveils sports policy, aims to groom Olympic medal hopes

Sanjeev Batra, director, ITEI, said the industry was hoping the government would initiate a clear policy to encourage long-term sustainability and positive ecosystem. As the US government is maintaining anti-dumping duties on steel bars from India but is ending them for Japan, Spain, and Brazil recently, MMMM 2018 will be a great opportunity for all stakeholders to meet, interact and network with entrepreneurs, consultants, editors, senior government officials, decision makers and industry leaders.

MEDIA COVERAGE

नवभारत टाइम्स
बिज़नस न्यूज़

Make money every day with Copy/Paste tasks like Sameer

धातु सामग्री की रीसाइक्लिंग के लिए विशेष जोन बनाने का उद्योग जगत का सुझाव

यह आर्टिकल एनबीटी डेस्क से ऑटो-जनरेटेड हुआ है। इसे नवभारतटाइम्स.कॉम की टीम ने एडिट नहीं किया है।

भाषा | Updated Aug 30, 2018, 04:30PM IST

SUBSCRIBE NEWSLETTER

5 Delhi bars on the list of every sports fan
LivehStyle
VIEW MORE

नई दिल्ली, 30 अगस्त (भाषा) खनिज और धातु क्षेत्र के जानकारों ने देश में पुरानी धातुओं की रीसाइक्लिंग (पुरानी धातु को गीला कर नयी सामग्री बनाने) को बढ़ावा देने के लिए विशेष रीसाइक्लिंग जोन की स्थापना का सुझाव दिया है। उन्होंने इसे भविष्य में कच्चे माल, लागत और पर्यावरण की बढ़ती चुनौती की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया है।

राजधानी के प्रगति मैदान में धातु, खनिज, सामग्री और धातु विज्ञान पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी एमएमएमएम-2018 में शामिल इन उद्योगों के कई जानकार लोगों ने कहा कि कच्चे माल की कीमतों में तेजी को देखते धातु रीसाइक्लिंग उद्योग एक कारगर विकल्प हो सकता है। प्रदर्शनी की आयोजक इंटरनेशनल ट्रेड एंड एग्जिबिशन्स इंडिया (आईटीईआई) के वित्त निदेशक संजीव बत्रा ने भाषा से कहा, 'कच्चे माल की कीमतें नयी ऊंचाइयां छू रही हैं, ऐसे में भारत में रीसाइक्लिंग धातु उद्योग की सफलता के लिए एक नयी कुंजी साबित हो सकता है।''

उन्होंने कहा कि भारत में अमेरिका और चीन की तरह रीसाइक्लिंग इकाइयों के लिए 'विशेष रूप से सामग्री रीसाइक्लिंग जोन स्थापित किए जाने चाहिए।'

बत्रा ने कहा कि एमएमएमएम-18 के दौरान चर्चा के विषयों में रीसाइक्लिंग उद्योग को भी प्रमुख विषयों में शामिल किया गया है। बत्रा ने एक अध्ययन का हवाला देते हुए कहा कि, एक टन स्टील स्क्रैप की रीसाइक्लिंग 1.2 टन लौह अयस्क, 0.7 टन कोयला, 0.5 टन चूना पत्थर और 287 लीटर ईंधन तेल बचाती है। इसके साथ ही इससे 2.3 घन मीटर लैंडफिल की जरूरत कम होती है। पानी की खपत में 40 प्रतिशत और कार्बनडाई आक्साइड उत्सर्जन में भी 58 प्रतिशत कमी होती है।''

निजी क्षेत्र की इस्पात विनिर्माता जेएसडब्ल्यू स्टील लि. के उप प्रबंध निदेशक डा विनोद नोवाल ने कहा, ' भारत में अभी स्टील स्क्रैप की स्थिति नहीं आयी है। अभी इस्तेमाल हो रहे इस्पात को स्क्रैप बनने (भंगार में डालने) में 20-25 साल का समय लगेगा।''

देश में स्क्रैप की उपलब्धता की कमी के कारण पुराना लोहा गला कर इस्पात बनाने वाली सेकेंड्री इस्पात इकायां भारी मात्रा में गलाने वाला लोहा स्क्रैप आयात करती हैं। उद्योग जगत की रपटों के अनुसार भारत में गलाने के लिए सालाना करीब सवा दो करोड़ टन लोहे के स्क्रैप का आयात किया जाता है।

बत्रा ने कहा, 'भारत में रीसाइक्लिंग संगठनात्मक अक्षमताओं, प्रोत्साहन की विसंगतियों, जर्जर आधारभूत संरचना और कर्ज सुविधा की कमी के कारण संभावनाओं के अनुरूप बढ़ नहीं पा रहा है।' उन्होंने कहा कि भारत में रीसाइक्लिंग उद्योग को प्रोत्साहित किया जाए तो यह 2030 तक सकल घरेलू उत्पाद में 11 प्रतिशत का योगदान कर सकता है और इस दौरान 14 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त बचत भी हो सकती है। श्रम गहन होने के कारण इस क्षेत्र में रोजगार के अवसरों की भी बड़ी संभावना है।

UNI — BREVITY ACCURACY SPEED

United News of India

India's Multi Lingual News Agency

Tuesday, Sep 4 2018 | Time 15:53 Hrs(IST)

IFFCO

States

Posted at: Aug 31 2018 2:59PM

Share

12K visit MMMM 2018 12th edition

Kolkata, Aug 31 (UNI) The twelfth edition of Minerals, Metals, Metallurgy & Materials International Exhibition and Conference (MMMM 2018), one of the largest in this part of the world, was visited by 12,000 B2B visitors.
This is one of the highest in number in India on any single location Industry specific exhibition. More than 525 exhibitors from 15 countries are participating in MMMM 2018. Good response was observed by global exhibitors from China, Austria, France, Finland, Germany, Italy, Russia, Spain, UK & USA besides state-level participants from mineral rich states of Jharkhand, West Bengal, Orissa, Karnataka and Gujarat.

Mr. Sanjeev Batra, Director- ITEI said, 'Global leaders and captains of India Steel Industry discussed the current challenges with Government officials and international visitors. MMMM 2108 provided the impetus for the industry leaders to deliberate on the emerging technologies and futuristic trend that will pave the path for speedy growth and advancement of the Mineral & metal sector. The sector contributes 4.5 per cent of the nation's GDP.'

He further added that apart from discussion on capacity expansion, NCLT, raw material challenges, anti-dumping duty, the biggest news for majority of the participants was RECYCLING. Apart from sweating of assets through smart modernization, the cheaper and continuous supply of Recycle scrap can increase the EBIDTA of the companies substantially.
Recycling of one ton of steel scrap saves 1.2 tons of iron ore, 0.7 tons of coal, 0.5 tons of limestone, 287 liters of fuel oil, 2.3 cubic meters of landfill and is achieved through 40 per cent less water and with 58 per cent avoided CO_2 emissions.
Bigger benefits arise as recycling value chain is typically more labour intensive as it can potentially generate 6-8 times more jobs than by land-filling or incineration activities of wastes.
In India, the metal recycling sector currently employs nearly 1.75 million people and contributes around 2 per cent to GDP.
For India, recycling has the potential to create six times more jobs and generate around 14 lakh crore of additional cost savings by 2030, which is approximately 11 per cent of the annual GDP.
The government and industry should work together to create a system of incentives and disincentives to nudge citizens favorably to consume reused and recycled products. 'Ultimately consumer behavior and business practices are the key in transitioning to a circular economy,' he said.

The US scrap industry generated over 150,000 direct jobs and 323,000 indirect jobs, according to Institute of Scrap Recycling Industries (ISRI), USA. In China, the recycling industry created 1.5 million direct jobs and about 10 million indirect jobs.

According to a CPCB report, 91 per cent of solid waste was collected, of which, only 27 per cent was treated and the remaining 73 per cent was disposed at dump sites. A recent study indicates that India would need a landfill of 88 sq. km, nearly the size of Bengaluru, to dump all its waste by 2030.
MMMM 2018, the largest event on Minerals, Metals, Metallurgy & Materials was held between August 29-31 at New Delhi.
UNI PL

IIFL

Recycling is New Mantra for long term metal sector growth; believe majority of steel participants

This is one of the highest in number in India in any single location Industry specific Exhibition. More than 525 exhibitors from 15 different countries are participating in MMMM 2018.

August 31, 2018 14:16 IST | India Infoline News Service

12th edition of Minerals, Metals, Metallurgy & Materials International Exhibition and Conference (MMMM 2018), one of the largest in this part of the world, was visited by 12,000 B2B visitors. This is one of the highest in number in India in any single location Industry specific Exhibition. **More than 525 exhibitors from 15 different countries are participating in MMMM 2018. Tremendous response is observed by global exhibitors from China, Austria, France, Finland, Germany, Italy, Russia, Spain, UK & USA besides state-level participants from mineral rich states of Jharkhand, West Bengal, Orissa, Karnataka & Gujarat.**

On this note, Mr. Sanjeev Batra, Director- ITEI said Global leaders and captains of India Steel Industry discussed the current challenges with Government officials and international Visitors in MMMM 2018. MMMM 2108 provided the impetus for the industry leaders to deliberate on the emerging technologies and futuristic trend that will pave the path for speedy growth and advancement of the Mineral & metal sector. The sector contributes 4.5% of the nation's GDP.

He further added that **apart** from discussion on capacity expansion, NCLT, raw material challenges, Anti-dumping duty, the biggest news for majority of the participants was RECYCLING. **Apart from sweating of assets thru smart modernization, the cheaper and continuous supply of Recycle scrap can increase the EBIDTA of the companies substantially.** Recycling of one ton of steel scrap saves 1.2 tons of iron ore, 0.7 tons of coal, 0.5 tons of limestone, 287 liters of fuel oil, 2.3 cubic meters of landfill and is achieved through 40 per cent less water and with 58 per cent avoided CO_2 emissions. Bigger benefits arise as recycling value chain is typically more labour intensive as it can potentially generate 6-8 times more jobs than by land-filling or incineration activities of wastes. In India, the metal recycling sector currently employs nearly 1.75 million people and contributes around 2 per cent to GDP. For India, recycling has the potential to create six times more jobs and generate around Rs14-lakh crore of additional cost savings by 2030, which is approximately 11 per cent of our annual GDP. The **Government and industry should work together to create a system of incentives and disincentives to nudge citizens favorably to consume reused and recycled products.** Ultimately consumer behavior and business practices are the key in transitioning to a circular economy.

MMMM 2018, the largest and the most prestigious event on Minerals, Metals, Metallurgy & Materials on August 29-31, 2018 at New Delhi, India is now the unchallenged single location platform where business buyers interacted with regard to steel, metals, coal, mineral, forging and hand tools items. MMMM 2018 witnessed more than 12,000+ Trade visitor and 1000+ foreign investors and participants from the globe, which is more than the expectations of the organizers. Notable speakers at MMMM 2018 besides Minister of Steel were CMD / CEO of SAIL, JSW Steel, Tata steel, NMDC, NALCO, Midhani, NINL, NIPPON, Indian Oil, Paul Wurth, Sino Steel, Indian Steel Alliance, Mecon, Bureau of Indian standard, Hindustan Copper Limited, etc.

MEDIA COVERAGE

bizXwires.com

Behind Exclusive News

Home | Uncategorized | International | Business | SEBI | RBI | Business news-states

Home » Archives

Posts Tagged 'Sanjeev Batra'

MMMM 2018 – Recycling again is the KEYWORD in Metal Industry as prices of raw material touching new high.

ARTICLE

Published on 31 Aug, 2018 at 11:32 in International, Uncategorized | | No Comments

New Delhi, August 31, 2018 :

12th edition of Minerals, Metals, Metallurgy & Materials International Exhibition and Conference (MMMM 2018), one of the largest in this part of the world, was visited by 12,000 B2B visitors. This is one of the highest in number in India in any single location Industry specific Exhibition. More than 525 exhibitors from 15...

(Continue reading)

Tagged with: anti-dumping duty | bureau of indian standard | capacity expansion | director- itei | hindustan copper limited | indian oil | jsw steel | mecon | midhani | nalco | ncl | nmdc | nippon | nmdc | paul wurth | raw material challenges | sail | sanjeev batra | sino steel indian steel alliance | tata steel

Chaudhary Birender Singh, Minister of Steel, to inaugurate MMMM 2018

ARTICLE

Published on 27 Aug, 2018 at 15:06 in International, Investments, Press Release | | No Comments

New Delhi 27th Aug, 2018

The 12th edition of Minerals, Metals, Metallurgy & Materials International Exhibition and Conference (MMMM 2018), one of the largest in this part of the world shall be inaugurated by Chaudhary Birender Singh, Minister of Steel, at Pragati Maidan on August 29, 2018. Minister of Steel will also discuss the current challenges with Global leaders and captains...

(Continue reading)

Tagged with: 12th edition of minerals | ceo & managing director | chaudhary birender singh | director itei | economy regulators | jharkhand | metallurgy & materials international exhibition | metals | ministry of coals and mines | mmmm 2018 | odisha | sanjeev batra | shri t.v narendran | tata steel limited

webindia123

HOME | NEWS | CAREER | YELLOW PAGES | MOVIES | DEALS | VIDEOS

News

INDIA | ASIA | WORLD | SPORTS | BUSINESS | SCI-TEC | HEALTH | ENTERTAINMENT | BOLLYWOOD | VIDEO | PRESS

12K visit MMMM 2018 12th edition

COMMENT

The twelfth edition of Minerals, Metals, Metallurgy & Materials International Exhibition and Conference (MMMM 2018), one of the largest in this part of the world, was visited by 12,000 B2B visitors. This is one of the highest in number in India on any single location industry specific exhibition. More than 525 exhibitors from 15 countries are participating in MMMM 2018. Good response was observed by global exhibitors from China, Austria, France, Finland, Germany, Italy, Russia, Spain, UK & USA besides state level participants from mineral rich states of Jharkhand, West Bengal, Orissa, Karnataka and Gujarat. Mr. Sanjeev Batra, Director - ITEI said, Global leaders and captains of India Steel Industry discussed the current challenges with Government officials and international visitors. MMMM 2018 provided the impetus for the industry leaders to deliberate on the emerging technologies and futuristic trend that will pave the path for speedy growth and advancement of the Mineral & metal sector. The sector contributes 4.5 per cent of the nation's GDP. He further added that apart from discussion on capacity expansion, NCLT, raw material challenges, anti-dumping duty, the biggest news for majority of the participants was RECYCLING. Apart from investing of assets through smart modernization, the cheaper and continuous supply of Recycle scrap can increase the EBIDTA of the companies substantially. Recycling of one ton of steel scrap saves 1.2 tons of iron ore, 0.7 tons of coal, 0.3 tons of limestone, 287 liters of fuel oil, 2.3 cubic meters of landfill and is achieved through 40 per cent less water and with 58 per cent avoided CO2 emissions. Bigger benefits arise as recycling value chain is typically more labour intensive as it can potentially generate 6-8 times more jobs than by land-filling or incineration activities of wastes. In India, the metal recycling sector currently employs nearly 1.11 million people and contributes around 2 per cent to GDP. For India, recycling has the potential to create six times more jobs and generate around 14 lakh crore of additional cost savings by 2030, which is approximately 11 per cent of the annual GDP. The government and industry should work together to create a system of incentives and disincentives to nudge citizens favorably to consume reused and recycled products. 'Ultimately consumer behavior and business practices are the key to transitioning to a circular economy,' he said. The US scrap industry generated over 150,000 direct jobs and 322,000 indirect jobs, according to Institute of Scrap Recycling Industries (ISRI), USA. In China, the recycling industry created 1.1 million direct jobs and about 10 million indirect jobs. According to a CPCB report, 91 per cent of solid waste was collected, of which, only 27 per cent was treated and the remaining 73 per cent was disposed at dump sites. A recent study indicates that India would need a landfill of 88 sq. km, nearly the size of Bengaluru, to dump all its waste by 2050.

स्वतंत्र प्रभात

HOME | भारत | ख़बरें | राज्य | प्रमुख खंड | टेक्नोलॉजी | शिक्षा | अंतर्राष्ट्रीय

Home / ख़बरें / आर्थिक / एमएमएमएम 2018 का प्रगति मैदान में हुआ आयोजन

आर्थिक

एमएमएमएम 2018 का प्रगति मैदान में हुआ आयोजन

खनिज, धातु, धातु विज्ञान और सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन (एमएमएमएम 2018), के दुनिया के सबसे बड़े 12 वें संस्करण में 12,000 बी2बी आगुंतकों द्वारा दौरा किया गया।

यह किसी एक स्थान उद्योग विशिष्ट प्रदर्शनी में भारत में सबसे ज्यादा संख्या में से एक है। 15 विभिन्न देशों के 525 से अधिक प्रदर्शक एमएमएमएम 2018 में भाग ले रहे हैं। खनिज समृद्ध राज्य -झारखंड, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा और गुजरात से भागीदारी के अलावा, विदेशों से चीन, ऑस्ट्रिया फ्रांस, फिनलैंड, जर्मनी, इटली, रूस, स्पेन, ब्रिटेन और यूएसए से जबरदस्त प्रतिक्रिया देखी जा रही है।

एमएमएमएम 2018, इस्पात मंत्रालय, खान मंत्रालय, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय और वैज्ञानिक औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के अलावा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा समर्थित और सह प्रायोजित है।

आईटीईआई के निदेशक संजीव बत्रा ने कहा: एमएमएमएम 2018, खनिज, धातु, धातु विज्ञान और सामग्री पर सबसे बड़ा और प्रतिष्ठित कार्यक्रम अंतिरहित एकमात्र मंच है जहाँ व्यापार खरीदारों ने इस्पात, धातु, कोयले, खनिज, फोर्जिंग और हाथ औजारों के बारे में बातचीत की।

एमएमएमएम 2018 को 12000 से अधिक व्यापारी आगुंतकों और 100 से अधिक निवेशकों और दुनिया के प्रतिभागियों ने देखा जो कि आयोजकों की उम्मीद से ज्यादा है।

भारतीय इस्पात उद्योग के वैश्विक नेताओं और कप्तानों ने सरकारी अधिकारियों और अंतर्राष्ट्रीय आगुंतकों के साथ मौजूदा चुनौतियों पर भी चर्चा की।

एमएमएमएम 2018 ने उभरती प्रौद्योगिकियों और भविष्यवादी प्रवृत्ति पर विचार-विमर्श करने के लिए उद्योग नेताओं के लिए प्रोत्साहन प्रदान किया जो खनिज और धातु क्षेत्र की तेजी से वृद्धि और उन्नति के लिए मार्ग प्रशस्त करेगा। यह क्षेत्र देश के जीडीपी का 4.5 प्रतिशत योगदान देता है।

bizXwires.com

Behind Exclusive News

Home | Uncategorized | International | Business | SEBI | RBI | Business news-states

Home » Chaudhary Birender Singh, Minister of Steel, inaugurates MMMM 2018

Chaudhary Birender Singh, Minister of Steel, inaugurates MMMM 2018

Tagged with: 12th edition of minerals | austria | china | csir | finland | france | germany | gujarat | italy | jharkhand | karnataka | ministry of steel; ministry of mines; ministry of earth sciences; ministry of external affairs; ministry of commerce & industry | ministry of heavy industries | orissa | russia | spain | uk | west bengal

Tweet | Like | Sign Up to see what your friends like.

New Delhi, August 29, 2018 :

The 12th edition of Minerals, Metals, Metallurgy & Materials International Exhibition and Conference (MMMM 2018), one of the largest of the world was inaugurated by Chaudhary Birender Singh, Minister of Steel, at Pragati Maidan today. The Minister also discussed the current challenges with Global leaders and captains of India Steel Industry during interactive session. He said steel is second to oil and gas sector. He hoped such type of events will not only give better directions to industry for better business environment but also help industry / government in formulating policies.

Welcoming the guests / delegates, Mr. Sanjeev Batra, Director- ITEI said after a wait of 2 long years it gives organizers immense pleasure to unveil MMMM 2018, the largest and the most prestigious event on Minerals, Metals, Metallurgy & Materials on August 29-31, 2018 at New Delhi, India. He informed that MMMM 2018 might witness more than 12,000+ Trade visitor and 1000+ foreign investors and participants from the globe. He advised that more than 400 exhibitors from 15 different countries are participating in event. Globally, MMMM 18 have country-level participation from China, Austria, France, Finland, Germany, Italy, Russia, Spain, UK & USA besides state-level participation from mineral rich states of Jharkhand, West Bengal, Orissa, Karnataka & Gujarat. Trade delegations from 7 countries are also visiting MMMM 2018 for investment opportunities as well.

MMMM 2018 is supported and co-sponsored by Ministry of Steel, Ministry of Mines, Ministry of Earth Sciences, Ministry of External Affairs, Ministry of Commerce & Industry, Ministry of Heavy Industries and Public Enterprises and Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises besides Council of Scientific & Industrial Research (CSIR).

METAL NETWORKS

HOME | FEATURES | PRODUCTS | TESTIMONIALS | COMPANY | CONTACT

27 AUG 2018

STEEL INDUSTRY HOPES GOVT WILL BRING CLEAR POLICY TO BOOST ECOSYSTEM

News

View original post.

As the US government is maintaining anti-dumping duties on steel bars from India but is ending them for Japan, Spain, and Brazil recently, MMMM 2018 will be a great opportunity for all stakeholders to ...

MEDIA COVERAGE

SPEED NEWS | है प्लानिंग, यहां मिलेगी 1099 रुपए में फ्लाइट की टिकट, 2 दिन है मौका • फोन की बैटरी

रीसाइक्लिंग से पैदा होंगे रोज़गार, कच्चे माल की परेशानी भी हो सकती है खत्म

रीसाइक्लिंग उद्योग पैदा कर सकता है नौकरियां

Multibagger Stocks 2018
Claim Your Copy Of Multibagger Stock Ideas 2018 Edition. Absolutely Free!
OPEN

Tweet it | Share On Facebook | Get interesting news alerts

नई दिल्ली

खनिज, धातु, धातु विज्ञान और सामग्री की 12वीं अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी (एमएमएमएम 2018) और सम्मेलन का 12,000 लोगों ने दौरा किया। इसमें 15 देशों के 525 से अधिक प्रदर्शक भाग ले रहे हैं। खनिज समृद्ध राज्य झारखंड, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा और गुजरात से भागीदारी के अलावा यहां विदेशों से चीन, ऑस्ट्रिया, फ्रांस, फिनलैंड, जर्मनी, इटली, रूस, स्पेन, ब्रिटेन और यूएसए से इसमें भाग लिया है।

आईटीईआई के निदेशक संजीव बत्रा ने कहा कि दिल्ली में आयोजित एमएमएमएम 2018 एक प्रतिष्ठित मंच है। जहां व्यापार कारोबारों ने इस्पात, धातु, कोयले, खनिज, फोर्जिंग के बारे में बातचीत की। एमएमएमएम 2018 को 12000 से अधिक व्यापारी पहुंचे और 100 से अधिक निवेशकों और दुनिया के प्रतिभागियों ने यहां का दौरा किया। यह क्षेत्र देश के जीडीपी का 4.5 प्रतिशत योगदान देता है।

रीसाइक्लिंग उद्योग पैदा कर सकता है नौकरियां

संयुक्त राज्य अमेरिका के स्क्रैप रीसाइक्लिंग इंडस्ट्रीज ओन आईएसआरआई के अनुसार यूएसए में स्क्रैप उद्योग ने 2015 में 1,50,000 से अधिक प्रत्यक्ष नौकरियां और 3,23,000 से ज्यादा अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा की हैं। वहीं, चीन में भी रीसाइक्लिंग उद्योग ने 1.5 मिलियन प्रत्यक्ष नौकरियां और लगभग 10 मिलियन अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा की हैं।

बंगलुरु जितनी बड़ी जगह चाहिए होगी कचरा फेंकने के लिए

सीपीसीबी की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2014-15 में ठोस कचरे का 91 प्रतिशत एकत्र किया गया था, जिसमें से केवल 27 प्रतिशत पर काम किया गया और शेष 73 प्रतिशत डंप साइटों पर फेंक दिया गया। हालिया अध्ययन से संकेत मिलता है कि भारत को 2030 तक आने वाले कचरे को डंप करने के लिए बैंगलोर के आकार के 88 वर्ग किलोमीटर के लैंडफिल की आवश्यकता होगी।

रीसाइक्लिंग अब तक संगठनात्मक अक्षमताएं, सीमित प्रोत्साहन, अपर्याप्त संरचनाएं, उचित वित्त पोषण कम होने के कारण सफल नहीं है। अमेरिका और चीन की तरह, सरकार रीसाइक्लिंग उद्योगों का विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा में संचालित करने में सहायता के लिए समर्पित सामग्री रीसाइक्लिंग जोन (एमआरजेडएस) भी स्थापित कर सकती है।

ZEE NEWS | LIVE TV | देश | प्रदेश | दुनिया | क्रिकेट | बिजनेस | बॉलीवुड | टेक्नोलॉजी | हेल्थ | फोटो | वीडियो

कचरा बनाएगा 'मालामाल', अगर देश में ही शुरू हो जाए रीसाइक्लिंग : रिपोर्ट

खनिज और धातु क्षेत्र के जानकारों ने देश में पुरानी धातुओं की रीसाइक्लिंग को बढ़ावा देने के लिए विशेष रीसाइक्लिंग जोन की स्थापना का सुझाव दिया है

प्रतीकात्मक तस्वीर

Written By: ज़ी न्यूज़ डेस्क
Updated: Aug 30, 2018, 08:12 PM IST

नई दिल्ली : खनिज और धातु क्षेत्र के जानकारों ने देश में पुरानी धातुओं की रीसाइक्लिंग (पुरानी धातु को गीला कर नई सामग्री बनाने) को बढ़ावा देने के लिए विशेष रीसाइक्लिंग जोन की स्थापना का सुझाव दिया है. उन्होंने इसे भविष्य में कच्चे माल, लागत और पर्यावरण की बढ़ती चुनौती की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया है. राजधानी के प्रगति मैदान में धातु, खनिज, सामग्री और धातु विज्ञान पर आयोजित 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी एमएमएमएम-2018 में शामिल इन उद्योगों के कई जानकार लोगों ने कहा कि कच्चे माल की कीमतों में तेजी को देखते हुए धातु रीसाइक्लिंग उद्योग एक कारगर विकल्प हो सकता है. प्रदर्शनी की आयोजक इंटरनेशनल ट्रेड एंड एग्जिबिशंस इंडिया (आईटीईआई) के वित्त निदेशक संजीव बत्रा ने कहा, 'कच्चे माल की कीमतें नई ऊंचाइयां छू रही हैं, ऐसे में भारत में रीसाइक्लिंग धातु उद्योग की सफलता के लिए एक नई कुंजी साबित हो सकता है.'

भारत में अमेरिका और चीन की तरह रीसाइक्लिंग इकाइयों के लिए विशेष रूप से सामग्री रीसाइक्लिंग जोन स्थापित किए जाने चाहिए.' एमएमएमएम-18 के दौरान चर्चा के विषयों में रीसाइक्लिंग उद्योग को भी प्रमुख विषयों में शामिल किया गया है. बत्रा ने एक अध्ययन का हवाला देते हुए कहा कि, एक टन स्टील स्क्रैप की रीसाइक्लिंग 1.2 टन लौह अयस्क, 0.7 टन कोयला, 0.5 टन चूना पत्थर और 287 लीटर ईंधन तेल बचाती है. इसके साथ ही इससे 2.3 घन मीटर लैंडफिल की जरूरत कम होती है. पानी की खपत में 40 प्रतिशत और कार्बनडाई आक्साइड उत्सर्जन में भी 58 प्रतिशत कमी होती है.'

निजी क्षेत्र की इस्पात विनिर्माता जेएसडब्ल्यू स्टील लि. के उप प्रबंध निदेशक डा विनोद नोवाल ने कहा, 'भारत में अभी स्टील स्क्रैप की स्थिति नहीं आई है. अभी इस्तेमाल हो रहे इस्पात को स्क्रैप करने (भंगार में डालने) में 20-25 साल का समय लगेगा.' देश में स्क्रैप की उपलब्धता की कमी के कारण पुराना लोहा गला कर इस्पात बनाने वाली सेकंड्री इस्पात इकाइयां भारी मात्रा में गलाने वाला लोहा स्क्रैप आयात करती हैं. उद्योग जगत की रपटों के अनुसार भारत में गलाने के लिए सालाना करीब सवा दो करोड़ टन लोहे के स्क्रैप का आयात किया जाता है.

ट्रेंडिंग न्यूज़

dailyhunt

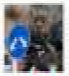

NEWS

Recycling in Metal industry on the rise

Kolkata, Aug 31 (HS): As the mineral and metal sector contributes 4.5 per cent of the nation's GDP, it should pave the way for speedy growth and advancement of the sector apart from sweating of assets through modernisation and continuous supply of recycle scrap to help increase the EBITDA (Earnings Before Interest, Tax, Depreciation and Amortisation) of many companies. These views were discussed at the three day 12th edition of Minerals, Metals, Metallurgy and Materials International Exhibition and Conference (MMMM 2018), here from 29 to 31 August and was visited by 12,000 plus 828 visitors. More than 525 exhibitors from 15 different countries have participated in MMMM 2018.Among them were China, Austria, France, Finland, Germany, Italy, Russia, Spain, UK, USA besides state-level participants from mineral rich states of Jharkhand, West Bengal, Odisha, Karnataka and Gujarat. Addressing the concluding session of the three day meet here today, Sanjeev Batra, Director of the meet said, "Global leaders and captains of Indian Steel industry discussed the current challenges with Government officials and international Visitors during MMMM 2018. It also provided the necessary impetus for industry leaders to deliberate on the emerging technologies and futuristic trend that will pave the way for speedy growth and advancement of the Mineral and metal sector." Underlining the importance of anti dumping duty and recycling of raw materials of the sector through further modernisation, Batra said recycling of one tonne of steel scrap saved 1.2 tonnes of iron ore, 0.7 tonnes of coal, 0.5 tonnes of limestone, 287 liters of fuel and 2.3 cubic meters of landfill. Bigger benefits could be achieved as recycling value chain was more labour intensive as it could generate 6-8 times more jobs than by land-filling or incineration activities of wastes, he said.

Stating that in India the metal recycling sector currently employed nearly 1.75 million people and contributed around 2 per cent to GDP, Batra said for the country recycling had the potential to create six times more jobs and generate around Rs 14-lakh crore of additional cost savings by 2030, which is approximately 11 per cent of India's annual GDP. Keeping this mind the Government and industry should work together to create a system of incentives and disincentives to nudge citizens favorably to consume reused and recycled products, Batra said adding ultimately consumer behavior and business practices were the key in transitioning to a circular economy. Hindusthan Samachar/Ankur/Shri Ram\

एमएमएमएम का उद्घाटन 29 को

लखनऊ। मिनरल्स, मेटल्स, मेटलर्जी एण्ड मटीरियल की अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन (एमएमएमएम) 2018 का 12 वां संस्करण 29 अगस्त-2018 को नई दिल्ली के प्रगति मैदान में होगा। आईटीईआई के निदेशक संजीव बत्रा ने बताया कि इस तीन दिवसीय एमएमएमएम एक्सपो-2018 का उद्घाटन केन्द्रीय इस्पात मंत्री चौधरी बिरेंद्र सिंह करेंगे, इसके साथ ही वह मौजूदा चुनौतियों पर भी चर्चा करेंगे। उन्होंने उम्मीद जतायी कि एमएमएमएम एक्सपो-2018 में 12,000 से अधिक व्यापार आगंतुक और 1,000 विदेशी निवेशक दुनिया भर से प्रतिभाग करेंगे।